दैनिक
कीर्तिप्रभा
खबरों के सच का निर्भीक आइना

■ रीवा ■ भोपाल से एक साथ
वर्ष: 28, अंक: 140 पृष्ठ 12, रीवा

सोमवार 09 फरवरी 2026
मूल्य: 3.00 रुपए

गौरव गोगोई का मामला गृह मंत्रालय भेजेगी असम सरकार

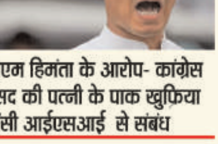

-सीएम हिमंता के आरोप- कांग्रेस सांसद की पत्नी के पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध

गुवाहाटी(ईएमएस)। असम सरकार कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के पाकिस्तान कनेक्शन मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय भेजेगी। असम कैबिनेट ने शनिवार को यह फैसला लिया। जिसके बारे में रविवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी। असम सरकार कांग्रेस सांसद गौरव की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न का ओसीआई/वीजा रद्द करने की मांग भी करेगी क्योंकि उनकी मौजूदगी भारत के लिए नुकसानदायक है।असम सीएम का आरोप है कांग्रेस सांसद गौरव और उनकी पत्नी एलिजाबेथ, पाकिस्तानी एजेंट अली तौकीर शेख के बहुत करीब है। एक पाकिस्तानी फर्म ने गौरव की पत्नी को नौकरी दी, फिर उन्हें भारत ट्रांसफर कर दिया। एलिजाबेथ भारत से जुड़ी कई जानकारियां इकट्ठा करती थीं और पाकिस्तानी नागरिक अली शेख को रिपोर्ट देती थीं। अली तौकीर शेख एलिजाबेथ को इस काम के लिए सैलरी देता था। हिमंता ने यह भी दावा किया कि अली तौकीर 2010 से 2013 के बीच 13 बार भारत आया था। उसका मकसद दुनिया में भारत विरोधी नैरेटिव तैयार करना था।

केंद्र सरकार ने 11 साल बाद बढ़ाई सरकारी वकीलों की फीस, मंत्रालय जारी कर चुका है अधिसूचना

नई दिल्ली,। केंद्र सरकार ने अदालतों में सरकार की ओर से पैरवी करने वाले वकीलों को बड़ी राहत देते हुए उनकी फीस में बढ़ोतरी कर दी है। लगभग 11 साल बाद यह संशोधन किया गया है। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 5 फरवरी को इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी है, जिसके तहत विभिन्न श्रेणियों के सरकारी वकीलों को अब पहले की तुलना में काफी अधिक पारिश्रमिक मिलेगा।

अधिसूचना के अनुसार, नियमित अपील और अंतिम सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश होने वाले ए श्रेणी के वकीलों को अब प्रति मामले में प्रति दिन 21,600 रुपये का भुगतान किया जाएगा। वहीं बी और सी श्रेणी के वकीलों को 14,400 रुपये प्रति दिन मिलेंगे। इससे पहले ए श्रेणी के वकीलों को 13,500 रुपये और बी व सी श्रेणी के वकीलों को 9,000 रुपये प्रति दिन फीस मिलती थी। सरकारी वकीलों की फीस में यह संशोधन अक्टूबर 2015 के बाद पहली बार किया गया है। कानून मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह बढ़ोतरी केवल नियमित अपील और अंतिम सुनवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य प्रकार के मामलों, विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों के साथ बैठकों (कॉन्फ्रेंस) और सलाह-मशविरा करने की फीस में भी संशोधन किया गया है। इसके अलावा, दिल्ली और राज्यों की राजधानियों में पेश होने वाले वकीलों की फीस में भी बढ़ोतरी की गई है। कानून मंत्रालय से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है, कि महंगाई, कानूनी पेशे से जुड़े बढ़ते खर्च और योग्य पेशेवरों को बनाए रखने की जरूरत को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। अधिकारी के अनुसार, लंबे समय से सरकारी वकीलों की ओर से फीस बढ़ाने की मांग की जा रही थी, जिसे अब पूरा किया गया है।

पूर्व केंद्रीय विधि सचिव और वर्तमान में विधि आयोग की सदस्य सचिव अंजू राठी राणा ने इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि केंद्र सरकार के वकीलों के लिए फीस संशोधन की अधिसूचना अब लागू हो गई है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान इस संबंध में निर्णय लिया गया था और यह एक दशक से अधिक समय से लंबित मामला था। उन्होंने कहा कि अदालतों में केंद्र सरकार का प्रभावी प्रतिनिधित्व करने के लिए योग्य और प्रतिभाशाली वकीलों को बनाए रखना जरूरी है,

धान खरीद घोटाला उजागर होने से प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मचा

मोहाली,पंजाब में धान खरीद को लेकर सामने आए कथित 10,000 करोड़ के घोटाले ने राज्य से लेकर केंद्र तक प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मचा दिया है। आरोप है कि 2025-26 के खरीद सीजन के दौरान पंजाब की विभिन्न मंडियों में फर्जी खरीद दिखाकर करीब 6,000 से 10,000 करोड़ तक का खेल हुआ है। मामले की गंभीरता को देखकर केंद्र सरकार ने पंजाब की मान सरकार से पूरे प्रकरण की गहन जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं।

180 करोड़ रुपए की हेरोइन पकड़ी

अमृतसर। पंजाब के 2 जिलों (अमृतसर और गुरदासपुर) में 180 करोड़ रुपए की हेरोइन पकड़ी गई है। इसके साथ ही 5.75 लाख रुपए की ड्रग मनी और 2 पिस्टल, 4 मैगजीन और 60 कारतूस भी मिले हैं। पुलिस को शक है कि यह हेरोइन पाकिस्तान से भेजी गई है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पुलिस ने गुरदासपुर में दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी भारत में अपने हैंडलरों के माध्यम से पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के संपर्क में थे।

भीमाशंकर मंदिर तीन महीने के लिए दर्शन के लिए बंद, महाशिवरात्रि के दौरान भी मंदिर बंद रहेगा

पुणे, बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक, श्री क्षेत्र भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर के समग्र विकास के लिए एक व्यापक विकास योजना को मंजूरी दी गई है। इस योजना के तहत काम चल रहा है, इसलिए मंदिर को तीन महीने के लिए बंद कर दिया गया है। जिला कलेक्टर जितेंद्र डुडी ने कहा कि श्री क्षेत्र भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर 12 फरवरी से 18 फरवरी तक महाशिवरात्रि के दौरान भी भक्तों के नियमित दर्शन के लिए बंद रहेगा।

मेडिकल स्टूडेंट ने विमान में यात्री की जान बचाई

मुंबई, कई लोगों को विमान में यात्रा करते समय घबराहट होती है। विमान के आसमान में उड़ने के बाद कुछ गलत होने का ख्याल कई लोगों को डरा देता है। हालांकि, अगर आपके विमान में आर्यन जैसा कोई मेडिकल स्टूडेंट हो, तो आपको चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। गोवा-मुंबई इंडिगो फ्लाइट के दौरान, मुंबई से सटे वसई के डॉ. आर्यन लोलयेकर ने अपनी सूझबूझ से एक साथी यात्री की जान बचाई। पालघर जिले के वेदांत मेडिकल कॉलेज में फाइनल ईयर के स्टूडेंट डॉ. आर्यन ने फ्लाइट में तुरंत इलाज करके अपना फर्ज निभाया। जानकारी के अनुसार 3 फरवरी को, गोवा से मुंबई आने वाली फ्लाइट में एक यात्री को सांस लेने में बहुत ज्यादा दिक्कत होने लगी।

आस्था, खान-पान अलग हो सकती हैं, लेकिन हम सब एक समाज और देश का हिस्सा- भागवत

संघ के 100 साल पूरे होने पर मुंबई के कार्यक्रम में पहुंचे बॉलीवुड के भाईजान सलमान

मुंबई,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे होने पर मुंबई में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने भी शिरकत की। वे फिल्ममेकर सुभाष घई और गीतकार प्रसून जोशी के साथ वहां पहुंचे और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को सुना। इस कार्यक्रम में संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि भारत में हिंदू ही है और कोई है ही नहीं। किसी खास रस्म या प्रार्थना से जुड़े धर्म को नहीं दिखाता है, न ही यह किसी खास समुदाय का नाम है। उन्होंने कहा कि आरएसएस किसी के खिलाफ नहीं है और न ही उसे सत्ता या पावर की इच्छा है। संघ राजनीति में सीधे तौर पर शामिल नहीं है, संघ के कुछ लोग राजनीति में सक्रिय हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत ने कहा कि बहुत से लोग कहते हैं कि नरेंद्र भाई आरएसएस के प्रधानमंत्री है। उनकी पॉलिटिकल पार्टी बीजेपी अलग है। उसमें बहुत स्वयंसेवक है, लेकिन संघ की नहीं। संघ के स्वयंसेवक उसमें हैं। भागवत ने कहा कि भारत का बंटवारा धर्म की वजह से हुआ। हमने कहा कि हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं, क्योंकि हम हिंदू हैं। इस्लाम, ईसाई धर्म अभी भी भारत में मौजूद हैं। झड़पें होती हैं, लेकिन देश एकजुट रहता है। हिंदू भाव को भुला देना भी बंटवारे का कारण बना।

संघ देश में चल रहे सकारात्मक प्रयासों को समर्थन और मजबूती देने पर फोकस करता है। संघ कोई पैरामिलिट्री फोर्स नहीं है। रूट मार्च और स्वयंसेवकों के लाठी अभ्यास के बावजूद संघ को अखाड़ा या सैन्य संगठन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। हिंदुत्व अपनाने से किसी को कुछ भी छोड़ना नहीं पड़ता। न आपकी पूजा-पद्धति बदलती है, न भाषा, न रहन-सहन। हिंदुत्व का मतलब है सुरक्षा और साथ-साथ रहने का भरोसा। यह किसी एक धर्म को थोपने की बात नहीं करता। लोगों की आस्था, खाने-पीने की आदतें और भाषा अलग हो सकती हैं, लेकिन हम सब एक ही समाज, संस्कृति और देश का हिस्सा हैं। इसी सोच को हिंदुत्व कहा जाता है, आप इसे भारतीयता कह सकते हैं।

उन्होंने कहा कि हिंदू-मुस्लिम एकता कहावत सही नहीं है, क्योंकि हम पहले से ही एक हैं।

सांसद पप्पू यादव और उनके समर्थकों के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज

-गिरफ्तारी के समय सांसद के समर्थकों और पुलिस के बीच हुई थी तीखी नोकझोंक

पटना, बिहार के पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और उनके समर्थकों के खिलाफ बुद्धा कॉलोनी थाना में एक और एफआईआर दर्ज की गई। यह मामला सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस कार्रवाई में रुकावट को लेकर दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात पुलिस सांसद पप्पू यादव को गिरफ्तार करने उनके घर पहुंची थी, लेकिन उस दौरान उन्होंने गिरफ्तारी देने से इनकार कर दिया। इस दौरान सांसद के समर्थकों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई थी। हालात बिगड़ते देख सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालते हुए बाद में पप्पू यादव को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। जहां से पीएमसीएच शिफ्ट किया गया था। जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होना है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पप्पू यादव की पटना में आधी रात को हुई गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को पूर्णिया में जन अधिकार पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर जाप कार्यकर्ताओं ने शहर में मशाल जुलूस निकाला और पप्पू यादव को अविलम्ब रिहा करने की मांग की। जन अधिकार पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष बबलू भगत ने कहा कि सरकर विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है। सांसद पप्पू यादव लगातार सदन में आम जनता की आवाज उठाते हैं। पीड़ितों को न्याय दिलाते हैं, लेकिन सरकार को वह हजम नहीं होता। सांसद पप्पू यादव पूर्णिया के 25 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यहां की जनता इससे बर्दाश्त नहीं करेगी।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के मामले में कहा कि हर चीज को इतना बढ़ा चढ़ा कर पेश करना कि हर चीज में साजिश हो रही है जान से मारने यह नॉर्मल एक प्रक्रिया का हिस्सा है। क्या कोई किसी सांसद को ऐसे ही नहीं गिरफ्तार कर सकता है। यकीनन कहीं ना कहीं कुछ तथ्य सामने आए होंगे।

8वें केंद्रीय वेतन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट लांच

नई दिल्ली,। 8वें केंद्रीय वेतन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट लांच कर दी गई है, जो केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी का केंद्र बनेगी। यह कदम पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और सहभागी बनाने के लिए उठाया गया है। नई वेबसाइट पर वेतन आयोग से जुड़े सभी अपडेट, नोटिफिकेशन, पिछली वेतन आयोग की रिपोर्ट्स और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध कराए गए है। नई वेबसाइट पर जाकर कर्मचारी और पेंशनभोगी आयोग की गतिविधियों, सिफारिशों और बैठकों के बारे में नियमित जानकारी पा सकते हैं। इसमें वेतन संरचना, पेंशन, भत्ते, इंक्रीमेंट सिस्टम और उच्च अधिकारियों के वेतन जैसे विषय शामिल हैं। साथ ही, मायगव पोर्टल के माध्यम से आयोग ने कर्मचारियों और अन्य स्टेकहोल्डर्स से राय लेने के लिए 18 सवालों वाली प्रश्नावली जारी की है।

केवल नीच शब्द कहना एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध नहीं- राजस्थान हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण कानूनी व्याख्या करते हुए स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति के खिलाफ नीच जैसे सामान्य अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करने मात्र से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला नहीं बनता है। न्यायमूर्ति वीरेंद्र कुमार की पीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह व्यवस्था दी कि एससी/एसटी एक्ट की धाराएं केवल तभी लागू की जा सकती हैं, जब यह पूरी तरह साबित हो जाए कि अपमान विशेष रूप से पीड़ित की जाति को लक्षित करके किया गया था और आरोपी को पीड़ित की जाति की स्पष्ट जानकारी थी।

यह पूरा विवाद वर्ष 2011 का है, जो आईआईटी जोधपुर से जुड़ी एक घटना से संबंधित है। उस समय कुछ सरकारी अधिकारी अतिक्रमण की जांच के लिए मौके पर पहुंचे थे।

इंडिया-यूएस ट्रेड डील के खिलाफ किसानों का एलान, 12 फरवरी को देशव्यापी प्रदर्शन

पीयूष गोयल से इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर देश के प्रमुख किसान संगठनों ने कड़ा विरोध जताया है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम), उसके नॉन-पॉलिटिकल धड़े और ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस) सहित कई संगठनों ने इस प्रस्तावित ट्रेड डील को भारतीय कृषि और डेयरी सेक्टर के लिए गंभीर खतरा बताया है।

ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस और शनिवार को जारी बयान में एसकेएम नेताओं ने आरोप लगाया कि यह समझौता भारतीय कृषि को अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सामने आत्मसमर्पण करने जैसा है। उन्होंने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की। किसान संगठनों का कहना है कि सरकार का यह दावा गलत है कि कृषि और डेयरी क्षेत्र को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से बाहर रखा गया है। एसकेएम के अनुसार, भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान में भारतीय पक्ष द्वारा अमेरिकी कृषि और खाद्य उत्पादों पर लगाए गए नॉन-टैरिफ बैरियर्स हटाने पर सहमति जताई गई है, जिससे घरेलू किसानों को भारी नुकसान होगा। ऑल इंडिया किसान सभा के नेता कृष्णा प्रसाद ने कहा कि इस समझौते के बाद सूखा पशु आहार, रेड सोरघम और सोयाबीन तेल जैसे उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दिया जाएगा। उनका आरोप है कि यह डील अमेरिका और यूरोपीय देशों की सुस्त अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए की जा रही है,

जहां गिरती थी बर्फ वहां जंगल में फैली है आग, 1900 फायर अलर्ट

-जलवायु परिवर्तन के चलते शीतकालीन बारिश और बर्फबारी में भारी कमी आई

पिथौरागढ़,। उत्तराखंड में जंगल धधकते नजर आए। हालात इतने बिगड़ गए है कि नवंबर से जनवरी के बीच प्रदेश में 1900 से ज्यादा जंगल फॉरेस्ट फायर अलर्ट जारी हुए, जो देश में सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान फूलों की घाटी से लेकर नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान तक जलते दिखे। पिछले दो दशकों में बदले मौसम चक्र ने उत्तराखंड के जंगलों को नई चुनौती में डाल दिया है। शीतकाल में सूखे जैसे हालात, बढ़ता तापमान और मानवीय लापरवाही ने आग की घटनाओं को सामान्य बना दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वन विभाग के लिए यह संकट इसलिए भी गंभीर है क्योंकि पारंपरिक फायर सीजन शुरू होने से पहले ही फायर वॉचर समेत जरूरी संसाधन झोंकने पड़ रहे हैं। वन विभाग का आधिकारिक फायर सीजन 15 फरवरी से 15 जून तक होता है। पहले मार्च-अप्रैल के बाद ही जंगल सुलगते थे, लेकिन अब नवंबर से ही आग बुझाने की नौबत आने लगी है। ज्यादातर आग सड़क किनारे फेंकी गई माचिस, बीड़ी-सिगरेट या जानबूझकर लगाई गई आग से फैलती है। कंट्रोल बर्निंग में वन विभाग पहले ही सूखी घास, पिरूल और पत्तियां जला देता है, ताकि फायर लाइन बन सके और आग आगे न बढ़े।

जलवायु परिवर्तन के चलते शीतकालीन बारिश और बर्फबारी में भारी कमी आई है। 2012, 2016, 2018 और 2021-23 के बाद 2025 के नवंबर-दिसंबर भी पूरी तरह सूखे रहे। नतीजतन, नवंबर 2025 से ही वनाग्नि की घटनाएं शुरू हो गईं। सैटेलाइट जंगल के ऊपर नजर रखते हैं। जहां तापमान अचानक बढ़ा या धुआं दिखा, वहां तुरंत चेतावनी भेजी जाती है ताकि आग फैलने से पहले कार्रवाई हो सके। इस बार आग ने दुर्गम और सुरक्षित क्षेत्रों को भी नहीं बख्शा। जनवरी 2026 में नंदा देवी नेशनल पार्क की फूलों की घाटी और गोविंद घाट रेंज के जंगल करीब एक सप्ताह तक जलते रहे। खड़ी चट्टानें और दुर्गम इलाका होने के कारण वन कर्मियों को आग बुझाने में भारी परेशानी उठानी पड़ी। वहीं, पिथौरागढ़ के नैनीसैनी और जमतड़ी गांव के जंगलों में आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड और एसएसबी के जवानों को मोर्चा संभालना पड़ा।

पंचाचूली क्षेत्र कस्तूरी मृग का निवास स्थान है। स्थानीय जानकारों का मानना है कि जब बर्फबारी न होने से वन्य जीव निचले इलाकों की ओर आते हैं, तो शिकारी उन्हें फंसाने के लिए झाड़ियों में आग लगा देते हैं। पिथौरागढ़ के डीएफओ आशुतोष सिंह का कहना है कि शिकारियों के पुख्ता सबूत तो नहीं मिले हैं, लेकिन रिजर्व फॉरेस्ट में निगरानी बढ़ा दी गई है। वन्य जीव शिकार पर 7 साल तक की सजा का प्रावधान है। पद्मश्री डॉ. शेखर पाठक के मुताबिक समय पर बारिश न होना और बढ़ता तापमान मानव जनित कारणों से भी है। वनों की आग केवल पेड़ों को ही नहीं जलाती, बल्कि पारिस्थितिक तंत्र और मानव स्वास्थ्य को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रही है। 23-24 जनवरी की बारिश ने कुछ राहत जरूर दी है, लेकिन यदि दोबारा लंबा सूखा पड़ा तो खतरा फिर बढ़ सकता है।

विजयपुरा में निजी ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त, कैप्टन सहित दो पायलट घायल

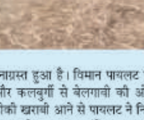

बेंगलुरु, कर्नाटक के विजयपुरा जिले में रविवार को एक निजी ट्रेनिंग विमान हादसे का शिकार हो गया। रेड बर्ड एविएशन कंपनी का हल्का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट बाबलेश्वर तालुक के मंगलूर गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। विमान पायलट प्रशिक्षण के लिए उड़ान पर था और कलबुर्गी से बेलगावी की ओर जा रहा था। इसी दौरान तकनीकी खराबी आने से पायलट ने नियंत्रण खो दिया और विमान जमीन पर गिर गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विजयपुरा जिले में उड़ान के दौरान विमान के इंजन में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद पायलट विमान पर नियंत्रण नहीं रख सके और वह जमीन पर गिर पड़ा। हादसे के समय विमान में दो लोग सवार थे, जिनमें एक कैप्टन और एक ट्रेनी पायलट शामिल हैं। विमान दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन को जानकारी दी। बाबलेश्वर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। दोनों घायल पायलटों को 108 एंबुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया,

मझगांव डॉक ने किया 7.50 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड का ऐलान

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय के अधीन नवरत्न कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजों के साथ शेयरधारकों को खुशखबरी दी है। कंपनी के बोर्ड ने 7.50 रुपए प्रति इक्विटी शेयर का दूसरा अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। 5 रुपए फेस वैल्यू के आधार पर यह 150 प्रतिशत डिविडेंड बनता है। कंपनी ने बताया कि डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 13 फरवरी 2026 तय की गई है और पात्र शेयरधारकों को यह राशि 7 मार्च 2026 तक उनके खातों में मिल जाएगी।

एएआई ने सरकारी कैब सर्विस भारत टैक्सी के साथ किया समझौता

नई दिल्ली। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने हाल ही में लॉन्च हुई देश की पहली सरकारी कैब सर्विस भारत टैक्सी के साथ एग्रीमेंट (एमओयू) साइन किया है। इसके तहत भारत टैक्सी देश के कई एयरपोर्ट्स पर कैब सेवाएं देगी। एएआई के चेयरमैन विपिन कुमार ने एमओयू का आदान-प्रदान किया। इस समझौते का मकसद एयरपोर्ट्स पर यात्रियों को सही किराया, तय दरों और सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराना है। भारत टैक्सी, सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित एक ड्राइवर-ओनर्ड सेवा है, जिसमें टैक्सी चालक स्वयं कोऑपरेटिव के सदस्य होते हैं।

टीवीएस मोटर ने की 5.12 लाख से ज्यादा वाहनों की बिक्री

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में टीवीएस की पकड़ न सिर्फ मजबूत है बल्कि लगातार बढ़ती भी जा रही है। कंपनी के लिए जनवरी 2026 एक ऐतिहासिक महीना साबित हुआ, जिसमें कंपनी ने 5.12 लाख से ज्यादा वाहनों की बिक्री के साथ करीब 29 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की। घरेलू बिक्री के साथ निर्यात कारोबार ने भी इस ग्रोथ में अहम योगदान दिया। जनवरी 2026 में टीवीएस ने दोपहिया सेगमेंट में लगभग 4.94 लाख यूनिट्स की बिक्री की, जो सालाना आधार पर करीब 28 प्रतिशत अधिक है।

टाटा मोटर्स अगले हफ्तों में बढ़ा सकती है वाहनों की कीमतें

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवीएल) के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा है कि कंपनी अपने वाहनों की कीमतें आने वाले हफ्तों में बढ़ा सकती है। उन्होंने बताया कि पिछले लगभग एक साल से जिंसों और अन्य कीमती धातुओं की बढ़ती लागत कंपनी पर दबाव बना रही है। अधिकारी के अनुसार इस लागत वृद्धि का असर टीएमपीवीएल के राजस्व में लगभग दो प्रतिशत से अधिक देखने को मिला है। इस बीच मारुति सुजुकी इंडिया मूल्य वृद्धि के लिए स्थिति की समीक्षा कर रही है।

भारत-यूएस समझौते के बाद रूस से तेल आयात में कटौती की संभावना

- समझौते के तहत भारत धीरे-धीरे घटा सकता है रूस से कच्चे तेल की खरीद

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को भारत से सभी आयातों पर 25 प्रतिशत शुल्क हटाने का कार्यकारी आदेश जारी किया। इसके पीछे भारत की रूस से तेल आयात कम करने की प्रतिबद्धता मुख्य कारण मानी जा रही है। इस समझौते के तहत भारत धीरे-धीरे रूस से कच्चे तेल की खरीद घटाएगा, जिससे अमेरिकी प्रतिबंधों के साथ तालमेल बैठ सके। सूत्रों के अनुसार अधिकांश भारतीय तेल शोधनशालाएं जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स रूस से तेल की नई खरीद धीरे-धीरे रोकेंगी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले कुछ हफ्तों में अपनी रूस से खरीदी गई खेप पूरी करने के बाद आयात बंद कर सकती है। नायरा एनर्जी की स्थिति अलग है। रोसनेफ्ट में उसकी 49.13 फीसदी हिस्सेदारी और यूरोपीय एवं ब्रिटिश प्रतिबंधों के कारण कंपनी के पास अन्य विकल्प सीमित हैं। इसलिए नायरा रूस से तेल की खरीद जारी रख सकती है और उसे संभावित छूट भी मिल सकती है। दिसंबर 2025 में भारत का रूस से आयात औसतन 12 लाख बैरल प्रतिदिन था, जो जनवरी 2026 में घटकर 11 लाख बैरल हो गया। आने वाले महीनों में यह 10 लाख बैरल से नीचे जाने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के साथ समझौते के बाद यह आयात और घटकर लगभग आधा हो सकता है। भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 90 फीसदी आयात के जरिए पूरा करता है। रूस के अलावा अमेरिका और वेनेजुएला जैसे देश विकल्प के रूप में मौजूद हैं, जिससे भविष्य में तेल आपूर्ति स्थिर बनाए रखना संभव होगा।

एफपीआई ने इस सप्ताह ?किया 8,100 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) फरवरी के पहले सप्ताह में शुद्ध खरीदार बन गए हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार छह फरवरी तक एफपीआई ने भारतीय इक्विटी में 8,129 करोड़ रुपये का निवेश किया। यह निवेश लगातार तीन महीनों की भारी निकासी के बाद आया है। एफपीआई ने नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और जनवरी में 35,962 करोड़ रुपये निकाले थे। 2025 में 1.66 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी।

इस सप्ताह शेयर बाजार की निगाहें मुद्रास्फीति और तिमाही नतीजों पर रहेगी

- भू-राजनीतिक घटनाक्रम और जिंस बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहेगा

नई दिल्ली। विश्लेषकों का मानना है कि इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा घरेलू आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी। 12 फरवरी को खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े आने वाले हैं, जो बाजार को महंगाई और आरबीआई की मौद्रिक नीतियों के बारे में संकेत देंगे। इसके एक दिन बाद 13 फरवरी को विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े जारी होंगे, जो विदेशी निवेशकों के रुझान और रुपये की स्थिति पर असर डाल सकते हैं।

इस सप्ताह कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अशोक लेलैंड, ओएनजीसी, बजाज इलेक्ट्रिकल्स और आयशर मोटर्स के परिणाम निवेशकों की रुचि का केंद्र होंगे। बाजार के जानकारों के अनुसार, इन नतीजों से न केवल इन कंपनियों के शेयर बल्कि व्यापक बाजार पर भी असर दिखाई देगा। वैश्विक स्तर पर निवेशक अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और नैस्डैक कंपोजिट के हालिया प्रदर्शन पर नजर रखेंगे।

इसके साथ ही, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और जिंस (कमोडिटी) बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहेगा। भारत और अमेरिका ने हाल ही में एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क में कमी होगी। यह कदम द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के साथ ही बाजार में सकारात्मक संकेत दे सकता है। अमेरिका और भारत के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर दोनों देशों ने शनिवार को एक साझा बयान जारी किया जिसमें बताया गया है कि किन-किन वस्तुओं पर दोनों देशों में कितना-कितना आयात शुल्क और सीमा शुल्क घटाया जायेगा। इस समझौते से सेक्टर विशेष को लेकर निवेशकों की धारणा प्रभावित होगी। बाजार ?विशेषज्ञ कहते हैं कि भारतीय इक्विटी बाजार सुदृढ़ीकरण चरण में प्रवेश कर चुका है। अब निवेशकों का ध्यान पूंजीगत व्यय और वास्तविक खर्च पर केंद्रित है।

स्कूटर एक्सेस 125 का अपडेटेड वर्जन लॉन्च

नईदिल्ली। दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने स्कूटर एक्सेस 125 का अपडेटेड वर्जन लॉन्च किया है। इस नए वर्जन में अब सिंगल-चैनल एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) शामिल किया गया है। कंपनी का कहना है कि यह सिस्टम स्कूटर के एक्सेलरेशन, फ्यूल एफिशिएंसी और कम्फर्ट पर कोई असर नहीं डालता, इसलिए राइडिंग कैरेक्टर पहले जैसा ही रहता है। यह फीचर अचानक ब्रेक लगाने पर ब्रेक प्रेशर को नियंत्रित करता है और पहिए को लॉक होने से रोकता है, जिससे फिसलन भरी या खराब सड़कों पर राइडिंग ज्यादा सुरक्षित हो जाती है।

नया एक्सेस 125 एबीएस दो वैरिएंट में उपलब्ध कराया गया है। इसमें 24.4-लीटर का अंडर-सीट स्टोरेज, फ्रंट ग्लव बॉक्स, एक्सटर्नल फ्यूल लिड और 773 एमएमकी सीट हाइट दी गई है। स्कूटर का कर्ब वेट 105 किलोग्राम है। ब्लूटूथ-इनेबल्ड टीएफटी स्क्रीन, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन और एलईडी हेडलैंप जैसे फीचर्स इसे और प्रीमियम बनाते हैं। एक्सेस 125 का मुकाबला सीधे तौर पर होंडा एक्टिवा और टीवीएस जुपिटर जैसे मॉडल से होता है। मैकेनिकल तौर पर स्कूटर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें पहले की तरह 124 सीसी का सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 8.7 पीएस की पावर और 10 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह सीवीटी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन से जुड़ा है। फ्रंट में टेलिस्कोपिक सस्पेंशन और रियर में स्विंगआर्म यूनिट दिया गया है, जबकि स्कूटर 12-इंच फ्रंट और 10-इंच रियर एलॉय व्हील्स पर चलता है। कीमत की बात करें तो एक्सेस राइड कनेक्ट एबीएस एडिशन की एक्स-शोरूम कीमत 92,328 रुपए रखी गई है, जो पांच रंगों में उपलब्ध है। वहीं राइड कनेक्ट टीएफटी एबीएस एडिशन की कीमत 98,378 रुपए है और यह भी पांच कलर ऑप्शन में आता है।

मारुति सुजुकी की जनवरी 2026 में भी बादशाहत कायम

नई दिल्ली। भारतीय उपभोक्ताओं का भरोसा एक बार फिर ऑटो सेक्टर में मजबूत बना हुआ है और नई कारों की मांग लगातार बढ़ रही है। मारुति सुजुकी ने जनवरी 2026 में भी अपनी बादशाहत कायम रखी। हालांकि कंपनी की सालाना ग्रोथ मामूली रही, लेकिन बड़े ग्राहक आधार, विशाल डीलर नेटवर्क और भरोसेमंद मॉडल्स ने इसे शीर्ष स्थान पर बनाए रखा।

घरेलू बिक्री के साथ एक्सपोर्ट में भी स्थिर प्रदर्शन ने कंपनी की पकड़ और मजबूत कर दी। इस महीने का सबसे बड़ा आकर्षण टाटा मोटर्स रहा, जिसने शानदार बिक्री वृद्धि के दम पर नंबर-2 की स्थिति हासिल कर ली। टाटा के लोकप्रिय मॉडल नेक्सन, पंच, टियागो और हैरियर लगातार मांग में रहे। बेहतर सेफ्टी रेटिंग और दमदार एसयूवी पोर्टफोलियो कंपनी को उल्लेखनीय बढ़त दिलाने में सफल रहा। महिंद्रा ने भी एसयूवी सेगमेंट में अपनी पकड़ को कायम रखते हुए जनवरी में मजबूत बिक्री दर्ज की। स्कॉर्पियो, थार, एक्सयूवी700 और बोलेरो जैसे मॉडलों ने ग्रामीण और शहरी दोनों बाजारों में अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे महिंद्रा टॉप ब्रांड्स की सूची में मजबूती से टिकी रही।

हुंडई जनवरी 2026 में चौथे नंबर पर रही। क्रेटा, वेन्यू और एक्सटर की अच्छी मांग के बावजूद कंपनी की ग्रोथ टाटा और महिंद्रा से पीछे रही। इसके बावजूद ब्रांड की विश्वसनीय छवि और संतुलित प्रोडक्ट लाइनअप ने उसे टॉप-5 में बनाए रखा। टोयोटा ने भी जनवरी महीने में स्थिर प्रदर्शन करते हुए टॉप-10 की सूची में अपनी जगह बरकरार रखी। इनोवा और अर्बन क्रूजर जैसे लोकप्रिय मॉडलों ने टोयोटा की विश्वसनीयता और हाइब्रिड तकनीक पर केंद्रित छवि को और मजबूत किया। कुल मिलाकर जनवरी 2026 के आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि एसयूवी सेगमेंट ही भारत के कार बाजार का मुख्य ड्राइविंग फोर्स बन चुका है।

स्कॉर्पियो पिकअप मॉडल के 35 हजार वाहन सप्लाई का मिला आर्डर

नई दिल्ली। इंडोनेशिया की सरकारी कंपनी एग्रीनास पंगन नुसंतारा से महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एम एंड एम) को अपने स्कॉर्पियो पिकअप मॉडल के 35,000 वाहन सप्लाई करने का एक बड़ा ऑर्डर मिला है। महिंद्रा ने जानकारी कि ये वाहन साल 2026 में इंडोनेशिया में चल रही एक संयुक्त परियोजना के तहत भेजे जाएंगे। यह परियोजना कोपेरासी देसा/केलुराहन मेराह पुतिह (केडीकेएमपी) के लिए चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में सहकारी समितियों की लॉजिस्टिक्स प्रणाली को मजबूत बनाना है।

कंपनी के अनुसार यह ऑर्डर उसके वित्त वर्ष 2025 में दर्ज किए गए कुल निर्यात वॉल्यूम से भी अधिक है, जो कंपनी के अंतरराष्ट्रीय कारोबार के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस साझेदारी के तहत महिंद्रा और एग्रीनास पंगन नुसंतारा मिलकर कोपेरासी नेटवर्क को स्कॉर्पियो पिकअप उपलब्ध कराएंगे ताकि किसानों से सीधे बाजार तक वस्तुओं की सप्लाई सुचारू, तेज और प्रभावी ढंग से हो सके। इससे उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच की दूरी कम होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। महिंद्रा के ऑटोमोटिव डिवीजन के सीईओ नलिनीकांत गोल्लागुंटा ने कहा कि यह वॉल्यूम कंपनी के निर्यात कारोबार में बड़ी बढ़ोतरी लाएगा और ग्रामीण लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इन वाहनों का उपयोग फर्स्ट-माइल एग्रीगेशन यानी खेतों से सहकारी समितियों तक सामान पहुंचाने और गांवों के भीतर परिवहन को मजबूत करने में किया जाएगा। कंपनी का मानना है कि स्कॉर्पियो पिकअप एक विश्वसनीय नेटवर्क तैयार करेगा, जो किसानों को बड़ी मदद देगा। महिंद्रा ने बताया कि नासिक प्लांट में तैयार किए जा रहे स्कॉर्पियो पिकअप को इंडोनेशिया की ग्रामीण जरूरतों के अनुसार डिजाइन किया गया है। यह वाहन खराब रास्तों, खेतों के मार्गों और ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से चल सकता है।

तेल-तिलहन बाजार में कारोबारियों की धारणा बिगड़ी, दाम में गिरावट

- बढ़ती मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूत बने रहे

नई दिल्ली। बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार में सामान्य उतार-चढ़ाव देखा गया, लेकिन सप्ताहांत में अमेरिका-भारत अंतरिम व्यापार समझौते की खबर और सोयाबीन तेल के शुल्क मुक्त आयात की अफवाह फैलने से कारोबारी धारणा कमजोर हुई। इस वजह से अधिकांश तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। अच्छी गुणवत्ता वाले मूंगफली तेल और साबुत मूंगफली की बढ़ती मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूत बने रहे। नई फसल आने और अफवाहों के चलते दामों पर दबाव बढ़ा। महाराष्ट्र में सोयाबीन का दाम 6,200 रुपये प्रति क्विंटल से घटकर 5,850 रुपये प्रति क्विंटल और मंडियों में हाजिर भाव 5,750-5,800 रुपये प्र?ति क्विंटल से गिरकर 5,300-5,400 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। मध्य प्रदेश में दाम एमएसपी से नीचे चले गए। जाड़े की कमजोर मांग और धारणा प्रभावित होने से पाम-पामोलीन तेल के दाम भी नीचे आए। आगे का रुख मलेशिया एक्सचेंज के खुलने के बाद स्पष्ट होगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये की गिरावट के साथ 6,950-6,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 550 रुपये की गिरावट के साथ 14,250 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश- 125-125 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 5,600-5,650 रुपये और 5,200-5,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

अदाणी मुंद्रा पोर्ट ने जनवरी 2026 में वाहनों और तरल माल में तोड़ा रिकॉर्ड

- रो-रो टर्मिनल के माध्यम से इस महीने 25,762 वाहन विदेशों में भेजे गए

नई दिल्ली। गुजरात स्थित अदाणी मुंद्रा पोर्ट ने जनवरी 2026 में वाहनों के निर्यात में अब तक का सर्वोच्च मासिक रिकॉर्ड दर्ज किया है। बंदरगाह के अदाणी मुंद्रा कंटेनर टर्मिनल (सीटी2) के समर्पित रोल-ऑन/रोल-ऑफ (रो-रो) टर्मिनल के माध्यम से इस महीने 25,762 वाहन विदेशों में भेजे गए। यह आंकड़ा मई 2024 में स्थापित पिछले रिकॉर्ड को पार करता है। पोर्ट अधिकारियों के अनुसार, मारुति सुजुकी और टोयोटा जैसे वाहन निर्माताओं ने अफ्रीका, यूरोप, पूर्वी एशिया, ऑस्ट्रेलिया और पश्चिमी देशों के लिए निर्यात में वृद्धि की। इस दौरान एक ही जहाज पर 5,701 वाहनों को लोड किया गया, जो किसी भी पोत पर अब तक की सबसे बड़ी लोडिंग है। अदाणी मुंद्रा का लिक्विड टर्मिनल जनवरी में 11.20 लाख टन तरल माल संभालने में सफल रहा, जो इसका अब तक का सबसे अधिक मासिक रिकॉर्ड है। यह पिछले उच्च स्तर (दिसंबर 2025) से भी अधिक है। इस तरल माल में ऊर्जा उत्पाद, रसायन और औद्योगिक तरल पदार्थ शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह आंकड़ा मुंद्रा की बहु-श्रेणी कार्गो प्रबंधन क्षमता को स्पष्ट करता है। ये उपलब्धियां भारत में बड़े, एकीकृत बंदरगाहों की वैश्विक व्यापार और निर्यात प्रवाह में बढ़ती भूमिका को दर्शाती हैं। वाहनों और तरल माल दोनों क्षेत्रों में उच्च प्रदर्शन न केवल निर्यातकों के लिए अवसर बढ़ाता है, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को भी मजबूत करता है। अदाणी मुंद्रा पोर्ट दिखाते हैं कि देश के बंदरगाह अब उच्च मात्रा में माल को तेजी से संभालने और वैश्विक मांग को पूरा करने में सक्षम हैं।

शीर्ष आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.55 लाख करोड़ बढ़ा

- बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज नंबर वन रही

नई दिल्ली। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी देखी गई जिससे निवेशकों के बीच उत्साह का माहौल बना। इस तेजी के पीछे बड़ी कंपनियों के मजबूत प्रदर्शन को मुख्य कारण माना जा रहा है। शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा।

इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। लाभ में रहने वाली इन आठ कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 4,55,336.36 करोड़ रुपये बढ़ा।इस सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,41,887.97 करोड़ रुपये बढ़कर 19,63,358.79 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा एलआईसी का मूल्यांकन 64,926.1 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल 52,516.39 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक 52,476.97 करोड़ रुपये बढ़कर बंद हुआ। हालांकि, इस तेजी के बावजूद टीसीएस और इंफोसिस के शेयर पीछे रहे। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 88,172.8 करोड़ रुपये घटकर 10,64,242.35 करोड़ रुपये और इंफोसिस का 63,462.66 करोड़ रुपये घटकर 6,26,067.95 करोड़ रुपये रह गया।

अगले हते स्टॉक स्प्लिट, बोनस और डिविडेंड से बाजार में बढ़ेगी हलचल

- कॉरपोरेट एक्शन के चलते निवेशकों की नजर बाजार पर

नई दिल्ली। आने वाला हफ्ता शेयर बाजार के लिहाज से खास रहने वाला है। बाजार भले ही रोजाना उतार-चढ़ाव से गुजरता हो, लेकिन कुछ हफ्ते ऐसे होते हैं जब एक साथ कई बड़ी वजहें निवेशकों का ध्यान खींचती हैं। इस बार भी ऐसा ही माहौल बनता दिख रहा है। स्टॉक स्प्लिट, बोनस इश्यू और डिविडेंड जैसे कॉरपोरेट एक्शन बाजार में नई हलचल पैदा कर सकते हैं।

ऐसे में यह हफ्ता न सिर्फ ट्रेडर्स बल्कि लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगले हफ्ते शेयर बाजार में डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड निवेशकों के रडार पर रहेगी। कंपनी ने अपने शेयर के स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कंपनी के स्टॉक स्प्लिट की एक्स-डेट 13 फरवरी 2026 तय की गई है, जबकि रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी 2026 रखी गई है। इस स्प्लिट के तहत कंपनी अपने शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटाकर 2 रुपये करने जा रही है।

माना जा रहा है कि इससे शेयर की लिक्विडिटी बढ़ सकती है। अगले हफ्ते दो कंपनियां अपने शेयरधारकों को बोनस इश्यू देने जा रही हैं। पहली कंपनी एक्सिटा कॉटन लिमिटेड है, जिसने 1=10 के अनुपात में बोनस इश्यू घोषित किया है। इसका एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट दोनों 13 फरवरी 2026 तय किया गया है। वहीं दूसरी कंपनी डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड है, जो 2=1 के अनुपात में बोनस शेयर देगी। इसका एक्स-डेट 13 फरवरी और रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी 2026 है। इसके अलावा अगले हफ्ते 50 से अधिक कंपनियां अपने निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही हैं। इस लिस्ट में फार्मा, ऑटो, इंफ्रा, पीएसयू, एफएमसीजी, लॉजिस्टिक्स और टेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं।

जिला टास्क फोर्स की सख्ती जारी सोन नदी घाटों पर सघन जांच

चुरहट-रामपुर नैकिन क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई, अनाधिकृत रेत परिवहन करते वाहन पकड़े

सीधी सीधी जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी तथा पुलिस अधीक्षक श्री संतोष कोरी के निर्देशन में, उपखंड मजिस्ट्रेट चुरहट श्री शैलेश द्विवेदी एवं जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में संयुक्त खनिज-राजस्व दल द्वारा तहसील चुरहट एवं रामपुर नैकिन के अंतर्गत अकौरी, तरिहा, हनुमानगढ़ सहित सोन नदी से लगे विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया गया।

जांच के दौरान बघवार क्षेत्र में खनिज रेत का अनाधिकृत परिवहन करते पाए गए वाहन क्रमांक ड्च07भ्ठ4258, ड्च17ढ्ढ5161, ड्च19भ्7389 एवं न्च91ञ्4532 को नियमानुसार मय खनिज जब्त कर सुरक्षार्थ थाना रामपुर नैकिन एवं पिपरांव चौकी परिसर में खड़ा कराया गया है। कार्रवाई तहसीलदार रामपुर नैकिन श्री आशीष मिश्रा एवं खनि निरीक्षक श्री शिशिर यादव के नेतृत्व में की गई।

इसी क्रम में उपखंड मजिस्ट्रेट कुसमी श्री विकास आनंद के मार्गदर्शन तथा तहसीलदार कुसमी श्री नारायण सिंह के नेतृत्व में राजस्व दल द्वारा एक मिनी ट्रक को खनिज रेत के ओवरलोड परिवहन करते पाए जाने पर जब्त कर आवश्यक कार्रवाई की गई।जब्त समस्त वाहनों के स्वामियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश अवैध खनिज (उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर माननीय कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

कलेक्टर श्री सोमवंशी द्वारा जिला टास्क फोर्स की दैनिक कार्यवाहियों की समीक्षा करते हुए अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मानवता हुई शर्मसार नवजात को बोरे में रखकर फेंका रोने की आवाज सुनकर बच्चों ने बचाई जान

मैहर जिले के भरहुत गांव से एक बार फिर मानवता को शर्मशार कर देने वाली घटना सामने आई हैण् जहां एक मां ने नवजात बच्चे को जन्म देने के बाद जंगल में छोड़कर भाग गई। नवजात को भरहुत स्थित पुरातत्व विभाग की बाउंड्रीवाल के भीतरए एक कपड़े में लपेटकर बोरे में डालकर छोड़ दिया गया थाण् शनिवार की सुबह कुछ छोटे बच्चे भरहुत स्थल की बाउंड्री के अंदर जाकर खेल रहे थेए तभी कुछ बच्चों ने किसी बच्चे की किलकारी सुनी ओर खोजते हुए उसके पास तक पहुंच गए।

'नवजात को अस्पताल में भर्ती कराया गया' कुछ बच्चे नवजात की सुरक्षा के लिए वहीं रुक गए तो बाकी भागते हुए आकर गांव के बड़े बुर्जुगों की इसकी जानकारी दीण् जिसके बाद मौके पर गांव की सरपंच माया देवी ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचकर देखा और पुलिस को सूचना दी। सरपंच की सूचना पर उंचेहरा थाना से सहायक उपनिरीक्षक संतोष सिंहए आरक्षक संतोष वर्मा कौशल गुर्जर एवं आरक्षक शिवानी मेहरा तत्काल भरहुत गांव पहुंचे और नवजात को सुरक्षित निकालकर सिविल अस्पताल उंचेहरा में भर्ती कराया गया। अस्पताल में महिला चिकित्सक एवं विकासखंड चिकित्सा अधिकारी द्वारा नवजात का परीक्षण किया गयाए जिसमें बच्चे को पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ बताया गया हैण् समय पर उपचार मिलने से नवजात की जान बच सकीण् इस हृदयविदारक घटना के बीच सरपंच माया देवी की ममता जाग उठीण् वे सुबह से नवजात की अपने पुत्र की तरह देखभाल और सेवा करती नजर आईं। 'डेढ़ घंटे पहले ही जन्मा था बच्चा' सिविल अस्पताल उचेहरा में मौजूद महिला चिकित्सक और विकासखंड चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि बच्चा अस्पताल में आने के डेढ़ से दो घंटे पहले ही जन्मा थाण् डॉक्टर के मुताबिकए नवजात की नाल तक नहीं कटी थी और शरीर पर गंदगी लगी हुई थीण् बच्चे की पूरी साफसफाई अस्पताल में की गई।

बगैर निर्माण 22 लाख से अधिक की राशि आहरित, प्रभारी प्राचार्य रजनी पवार निलंबित

मैहर शासकीय हाईस्कूल देवरा मोलहाई संकुल केंद्र शा.उमावि देवराजनगर विकासखंड रामनगर में पदस्थ अध्यापक एवं प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रजनी पवार को शासकीय राशि के दुरुपयोग के गंभीर आरोपों में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल से विद्यालय में लघु निर्माण, सायकल स्टैंड एवं पार्किंग शेड निर्माण हेतु 22 लाख 20 हजार रुपये की राशि आवंटित की गई थी। कलेक्टर मैहर रानी बाटड के निर्देश पर एसडीओ राजस्व रामनगर के नेतृत्व में गठित समिति द्वारा कराई गई जांच में सामने आया कि बिना किसी निर्माण कार्य के ही 22 लाख 19 हजार 349 रुपये की राशि आहरित कर ली गई। जांच के दौरान संस्था में निर्माण अथवा मरम्मत से संबंधित कोई अभिलेख नहीं पाए गए। साथ ही श्रीमती पवार बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के अनुपस्थित भी रहीं। विद्यालय कर्मचारियों ने पुष्टि की कि कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ है। जांच प्रतिवेदन में प्रभारी प्राचार्य एवं तत्कालीन बीईओ को भुगतान के लिए उत्तरदायी बताया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी के प्रतिवेदन के आधार पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जवाब संतोषजनक न पाए जाने पर शासन के साथ सदिग्ध निष्ठा, कर्तव्य में लापरवाही तथा नियत प्रक्रिया का पालन न करने का दोष सिद्ध होने पर श्रीमती रजनी पवार को निलंबित कर दिया गया।

निलंबन अवधि में प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रजनी पवार का मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी मैहर नियत किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

सेवादल के प्रदेशाध्यक्ष के मैहर आगमन पर भव्य स्वागत

मैहर। मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अवनीश भार्गव का रविवार को प्रथम मैहर आगमन पर जिला अध्यक्ष धर्मेश घई, सेवादल जिला अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र के कुशल नेतृत्व में कांग्रेसजनों व सेवादल के साथियों द्वारा मैहर स्टेशन पर ऐतिहासिक स्वागत किया गया। शारदादेवी मंदिर पहुंचकर मां शारदा की पूजा अर्चना कर प्रदेश के खुशहाली कि कामना की। श्री भार्गव के 58वे जन्मदिन पर सुंदरकांड के पाठ का अनुष्ठान वरिष्ठ समाजसेवी कामता प्रसाद मिश्र के निज निवास पर जिला अध्यक्ष धर्मेश घई, सेवादल जिला अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र, कांग्रेस नेता केशव प्रसाद चौरसिया, महेंद्र पटेल, डॉ. विष्णुदत्त पांडेय, चूड़ामणि बढ़ोलिया, प्रदेश सचिव रामप्रताप कुशवाहा, ब्लॉक अध्यक्ष रमेश प्रजापति, अमजद खान, जितेंद्र कुशवाहा, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी, अखंड प्रताप सिंह, महेंद्र त्रिपाठी एवं पुष्पराज सिंह की उपस्थिति में किया गया। जिसमें श्री भार्गव उक्त अनुष्ठान में सम्मिलित हुए। उपस्थित सभी अतिथियों ने श्री भार्गव के 58 वे जन्मदिन को बड़े धूमधाम से मनाते हुए शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह भेंटकर मां शारदा से सतायु कि प्रार्थना की गई। अपने उद्बोधन में श्री भार्गव ने कहा कि आज का दिन मेरे जीवन का अविस्मरणीय दिन रहेगा आज मुझे ऐसे अवसर पर मां शारदा माता के चरणों में माथा टेकने का अवसर मिला है। इस अवसर पर गणेश चतुर्वेदी, ऋषिकेश पांडे, मुकेश सेन, सुषमा अरजरिया, उमाशंकर तिवारी, राजेंद्र शर्मा, आनंद श्रीवास्तव, अशोक उपाध्याय, किशन द्विवेदी सहित काफी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

श्रीमद्भागवत महापुराण में गोवर्धन लीला का हुआ वर्णन

सीधी। अमरवाह में चल रहे संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आज पांचवां दिन श्रद्धाए आस्था और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर आचार्य रमाकांत तिवारी के मुखारविंद से प्रवाहित कथा अमृत ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। पाँचवें दिन की कथा में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएंए गोवर्धन पूजा एवं भक्त प्रह्लाद की भक्ति का सजीव वर्णन किया गया।

कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में महिला-पुरुषए बुजुर्ग एवं युवा श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे पंडाल में भक्ति और संकीर्तन का वातावरण बना रहा। कथा के दौरान आचार्य श्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भागवत कथा केवल कथा नहींए बल्कि जीवन को धर्म और मर्यादा से जोडने का मार्ग है। उन्होंने सत्कर्मए सेवा भाव और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। आयोजन के अनुसार यह श्रीमद् भागवत कथा 4 फरवरी से 10 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन आयोजित की जा रही है। कथा समापन के पश्चात 11 फरवरी 2026 को उपनयन संस्कार एवं विशाल भंडारा प्रसाद का आयोजन किया जाएगा।

कथा आयोजन में दुबे परिवार द्वारा समस्त ग्रामवासियों एवं बाहर से आए श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत एवं सहयोग किया जा रहा है। ग्राम अमरवाह में इन दिनों भक्तिमय और आध्यात्मिक माहौल बना हुआ है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वामी परमहंस सच्चिदानंद जी महाराज के देवलोक गमन पर किए अंतिम दिव्य दर्शन

सतना उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं सतना स्थित धारकुंडी आश्रम के संस्थापक स्वामी परमहंस सच्चिदानंद जी महाराज के देवलोकगमन पर धारकुंडी आश्रम पहुंच कर महाराज श्री के अंतिम दिव्य दर्शन किए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पूज्य स्वामी जी का संपूर्ण जीवन धर्म, अध्यात्म और मानव सेवा को समर्पित रहा। उनका गोलोकगमन न केवल उनके असंख्य शिष्यों, बल्कि सम्पूर्ण समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने विचारों और आचरण से जनमानस को सदैव सत्य, अहिंसा और आध्यात्मिक मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने परमहंस आश्रम धारकुंडी में गढ़ शक्तेश्वर के स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज और ट्रस्ट के सचिव श्री रामायण बाबा से भी भेट की। इस मौके पर सांसद रीवा जनार्दन मिश्रा भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धारकुंडी पहुंचकर ब्रह्मलीन गुरुदेव स्वामी सच्चिदानंद जी के दिव्य दर्शन किए

सतना मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को सतना जिले के धारकुंडी पहुंचकर परम पूज्य संत शिरोमणि स्वामी सच्चिदानंद सदगुरु महाराज जी के ब्रह्मलीन होने पर अंतिम दिव्य दर्शन किए और उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री ने महाराज जी के पार्थिव शरीर के अंतिम दिव्य दर्शन कर भावपूर्ण नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाराज जी के ब्रह्मलीन होने से पूरे विंध्य क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। वे लाखों श्रद्धालुओं के लिए आस्था, अध्यात्म और मार्गदर्शन का प्रमुख केंद्र थे। उनका सान्निध्य जनमानस को सदैव आध्यात्मिक ऊर्जा, प्रेरणा एवं सकारात्मक दिशा प्रदान करता रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि धारकुंडी आश्रम, जहां महाराज जी ने तप व साधना की, आज एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल बन चुका है।

उनका महान व्यक्तित्व एवं साधना की अमिट छाप आने वाली पीढ़ियों को भी निरंतर प्रेरित करती रहेगी। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद श्री गणेश सिंह, चित्रकूट विधायक श्री सुरेन्द्र सिंह गहरवार, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक श्री हंसराज सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं साधु-संत उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में प्रयागराज ने मारी बाजी

विधायक की मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ खेल

सीधी। जिले के मझौली जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत नौढिया शिकारगाह में फ्रेंड्स कप अखिल भारती दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिस प्रतियोगिता में देश की छरू टीमो ने भाग लिया। इस खेल प्रतियोगिता में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। फइनल में प्रयागराज एवं देहरादून के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला इसी रोमांचक मुकाबले के साथ प्रतियोगिता का समारोह पूर्वक समापन क्षेत्रीय विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम के मुख्य अतिथि में संपन्न हुआ। जहां प्रयागराज की टीम कड़े मुकाबले में जोरदार प्रदर्शन करते हुए देहरादून को पराजित कर फ्रेंड्स कप अपने नाम कर लिया। बताते चलें कि प्रतियोगिता का शुभारंभ 6 फरवरी को ब्यौहारी विधायक शरद कोल के मुख्य अतिथि में जहां 6 टीमो लीग मैच खिलाया गया सेमीफइनल व फइनल मुकाबला 7 फरवरी को क्षेत्रीय विधायक कुंवर सिंह टेकाम के मुख्य अतिथि एवं सरपंच नौढिया सरिता शुक्ला की अध्यक्षता में खेला गया। जहां पर प्रतियोगिता का समारोह पूर्वक समापन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर विजेता प्रयागराज एवं उपविजेता देहरादून की टीम को कप के साथ नगद राशि से अतिथियों के हाथों पुरस्कृत कराया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि द्वारा कहा गया कि हमें गर्व हो रहा है कि हमारे क्षेत्र में खेल स्पर्धा बड़ी तेजी से बढ़ रहा है खेल से न केवल शारीरिक विकास होता है बल्कि मानसिक विकास एवं चेतना भी बढ़ती है। ऐसे आयोजनों से हमारे क्षेत्र के युवाओं को एक अच्छी सीख मिल रही है। आयोजन के लिए आयोजक मंडली को धन्यवाद दिये। दो दिवसीय इस फ्रेंड्स कप अखिल भारतीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में क्षेत्रीय विधायक कुंवर सिंह टेकामए ब्यौहारी विधायक शरद कोल के साथ जिले एवं क्षेत्र के कई सम्मानित जन शामिल हो खेल का आनंद उठाते हुए खिलाडि?ों का उत्साहवर्धन कियेए जिसमें पूर्व राज्यसभा सांसद अजय प्रताप सिंह भाजपा प्रदेश कार्यकारी सदस्य केके तिवारीए जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश सिंह जनपद उपाध्यक्ष कुसमी श्यामवती सिंहए डॉ. अजय मिश्रा सीधी इंद्रबली सिंह रामनरेश उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार ने भविष्य के लिए नई दिशा देने वाला पेस किया -राधा सिंह

प्रधानमंत्री जी ने महिला सशक्तिकरण के लिए बजट में ऐतिहासिक प्रावधान किए .. रीती

सीधी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जो बजट पेश किया हैए वह न केवल आने वाले भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया हैए बल्कि यह नई दिशा में देश को अग्रसर करेगा। प्रधानमंत्री मोदी जी ने महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है और इस बजट में ऐतिहासिक प्रावधान किए गए हैंए जिनसे महिलाएं आर्थिकए सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त होंगी।

उक्त आशय के विचार भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता और सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित केंद्रीय बजट को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश सरकार की पंचायत एवं ग्रामीण राज्य विकास मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी डॉक्टर अनिल पटेलए जिला उपाध्यक्ष और बजट टोली के जिला संयोजक विश्व बंधु धर द्विवेदीए अशोक पटेलए मनीला सिंह चौहानए जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे की विशिष्ट उपस्थिति में कही । मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने कहा कि 2014 के बाद देश में टैक्स देने की मानसिकता का एक ब?ा बदलाव आया है और आज लोग टैक्स बचाने के बजायए इसे ईमानदारी से चुकता करना चाहते हैंए यह मोदी सरकार का एक महत्वपूर्ण योगदान है।

मैहर में जनगणना समन्वय समिति की बैठक आज

मैहर गृह सामान्य प्रशासन विभाग एवं राज्य नोडल अधिकारी जनगणना के परिपालन में जनगणना 2027 की प्रारंभिक तैयारियां शुरू हो गई है। जनगणना 2027 को दो चरणों में सम्पन्न किया जायेगा। जिसमें प्रथम चरण अप्रैल 2026 से सितम्बर 2026 तक एवं द्वितीय चरण का कार्य फरवरी 2027 में किया जायेगा। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने बताया कि जनगणना 2027 की तैयारी हेतु जिला समन्वय समिति की एवं चार्ज अधिकारी की बैठक 9 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में सायं 4 बजे आयोजित की जायेगी। कलेक्टर ने बैठक में समिति के सभी सदस्यों को उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं।

विधानसभा सत्र हेतु संयुक्त कलेक्टर राजेश कुमार शुक्ला नोडल अधिकारी नियुक्त

सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा आदेश जारी कर फरवरीदुमार्च 2026 में आयोजित होने वाले विधानसभा सत्र के दृष्टिगत विधानसभा प्रश्नों के उत्तर समय-सीमा में तैयार कर प्रेषित करने हेतु संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश कुमार शुक्ला को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जारी आदेशानुसार विधानसभा सत्र अवधि में प्रशासनिक कार्यों की सुविधा एवं त्वरित निष्पादन के लिए अवकाश दिवसों में भी समस्त कार्यालय खुले रहेंगे। सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि विधानसभा प्रश्नों के उत्तर समय-सीमा में भेजने हेतु आवश्यकतानुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी सुनिश्चित करें।

फल वितरण एवं रक्तदान शिविर संपन्न

सीधी। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश युवा इकाई सीधी द्वारा शनिवार को जिला अस्पताल सीधी में स्वण् नारायण प्रसाद गुप्ता नाना की पुण्यस्मृति में रक्तदान शिविर का बृहद आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल के विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों को फल वितरित कर मानवीय सेवा का संदेश दिया गया। रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़.चढ़?र सहभागिता निभाई। प्रखर गुप्ताए खुशबू गुप्ताए उमा यादवए सुरेंद्र पाठक एवं राजेश गुप्ता ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री भोला प्रसाद गुप्ता प्रदेश मंत्री दिनेश गुप्ता संभागीय अध्यक्ष पूनम सोनी जिला अध्यक्ष शंखधर गुप्ता जिला प्रभारी गोपाल गुप्ता व ओमता सोनी संभागीय सदस्य आलोक केशरीए महिला इकाई अध्यक्ष जगदंबा सोनी उपस्थित रहे।

आरटीआई के तहत जानकारी देने में आनाकानी

सीधी। जिले में सूचना का अधिकार अधिनियम महज दिखावा साबित हो रहा है एक मामला शिक्षा विभाग का सामने आया हैए जहां आवेदक को लगातार गुमराह करने वाली जानकारी देकर चक्कर लगवाया जा रहा है। इस संबंध में आवेदक नेहा शुक्ला निवासी आजाद नगर ने बताया कि उनके द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 02 संकुल केन्द्र में आवेदन लगाया गया था कि आपके संकुल अंतर्गत शासकीय शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय रोझौहा एकीकृत शाला जन शिक्षा केंद्र रोझौहा में शिक्षिका श्रीमती रीता वर्मा पति नरेन्द्र पदस्थ हैं।

मोगली पलटन ने निकाली आठवीं बार साइकिल रैली

सीधी। ऋषिकेश फ़ाउंडेशन की बाल टोली मोगली पलटन द्वारा 08 फरवरी को ठंड और शीतलहर के बीच अपनी आठवीं मासिक कछुआ चाल साइकिल रैली का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। गाय है तो गाँव है के संकल्प के साथ निकाली गई इस रैली ने यह संदेश प्रसारित किया कि वैश्विक स्तर पर मंडरा रहे जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने में गाय और ग्रामीण संस्कृति का संरक्षण एक अचूक अस्त्र साबित हो सकता है।

जब भी कोई हंसने का अवसर मिले तो, च्हंसेज्ज् यह एक सुलभ दवा है
- लार्ड ब्रायन

प्रधानमंत्री संसद में ही सुरक्षित नहीं? नागरिकों की सुरक्षा के लिए कौन जिम्मेदार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद के अंदर सुरक्षित नहीं हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का इस आशय का कथन अपने आप में गंभीर है। संसद केवल एक भवन नहीं है, लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है। संसद में नागरिकों की रक्षा के लिए नियम और कानून बनाए जाते हैं। उन्हीं नियमों और कानूनों से कार्यपालिका नागरिकों को यह भरोसा दिलाती है कि सरकार उनके हित में काम कर रही है। सरकार उनकी सुरक्षा, उनके जीवन-यापन तथा शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे विषयों पर काम कर रही है। 1947 के बाद से आम जनता का भरोसा संसद पर बना हुआ है। यदि उसी संसद मे सदन का नेता सुरक्षित नहीं है? इस लोकसभा के अध्यक्ष जो सदन मे सभी निर्वाचित सदस्यों के संरक्षक हैं। संविधान ने उन्हें सत्ता पक्ष और विपक्ष को संविधान का पालन कराने का अधिकार दिया हुआ है। यदि वह इस तरह की बात करते हैं, तो निश्चित रूप से 140 करोड़ जनता के मन में यह सवाल उठता है, यदि इतनी सुरक्षा प्राप्त प्रधानमंत्री सदन के अंदर सुरक्षित नहीं हैं, जिस सदन में मार्शल हटाकर सीआरपीएफ सुरक्षा बल के जवान लगाए गए हैं। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों का क्या होगा? यदि यह आरोप सार्वजनिक विचार-विमर्श का हिस्सा बनता है तो उसका असर केवल सुरक्षा बहस तक सीमित नहीं रहता बल्कि वह राजनीतिक संदेश, संसदीय मर्यादा] जनविश्वास और विश्व में भारत के लोकतंत्र को लेकर सवाल वाली स्थिति बनती है। यहां पर सवाल प्रधानमंत्री की सुरक्षा का है। संसद देश के सबसे सुरक्षित स्थलों में मानी जाती है। बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, खुफिया निगरानी और प्रोटोकॉल पहले से मौजूद हैं। ऐसे में यदि कोई नेता विशेषकर प्रधानमंत्री सदन के अंदर असुरक्षित हैं, तो यह सुरक्षा एजेंसियों, लोकसभा सचिवालय और लोकसभा अध्यक्ष के लिए चिंता और समीक्षा का विषय है। लोकसभा अध्यक्ष के ऊपर सदन की तथा सदस्यों की सुरक्षा और उनके कार्य प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका है। सदन की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। यदि वही कहते हैं कि प्रधानमंत्री सदन के अंदर सुरक्षित नहीं है। ऐसे में यह उनकी ही अक्षमता का प्रमाण माना जा सकता है। उन्हें राजनीतिक दबाव से ऊपर उठकर तथ्यों के आधार पर स्थिति को बिना किसी भेदभाव के स्पष्ट करनी चाहिए।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में प्रधानमंत्री का नहीं बोलना और लोकसभा अध्यक्ष का यह कहना कि प्रधानमंत्री के ऊपर हमला हो सकता था, इसलिए उन्होंने उन्हें सदन में आने से मना किया था। लोकसभा अध्यक्ष का यह कथन स्वयं लोकसभा अध्यक्ष और सत्तापक्ष के लिए दोधारी तलवार बन गया है। इससे सत्ता पक्ष के समर्थकों में यह संदेश जायेगा कि प्रधानमंत्री निरंतर खतरे में रहकर भी काम कर रहे हैं। जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सहानुभूति मिल सकती है। दूसरी ओर विपक्ष इसे राजनीतिक नाटकीयता बताकर सवाल उठायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास इतनी ज्यादा सुरक्षा है वह प्रधानमंत्री होते हुए जब वह सदन के अंदर ही सुरक्षित नहीं है उनकी छवि पर विपक्ष तीखा प्रहार करते हुए इसका राजनीतिक फायदा उठाने का प्रयास करेगा। इसका असर आम जनता के बीच में हो सकता है कि जब प्रधानमंत्री ही सदन के अंदर सुरक्षित नहीं हैं तो वह हमारी रक्षा किस तरह से कर पाएंगे। जो छवि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बना रखी है उनकी उस छवि पर विपक्ष गहरा आघात करने का कोई मौका नहीं छोड़ेगा। सरकार के सुरक्षा तंत्र पर प्रधानमंत्री को भरोसा नहीं है। वही तंत्र आम आदमी को कैसी सुरक्षा दे पाएगा। इस विवाद में भाजपा को अल्पकालिक राजनीतिक लाभ अपने पेशेंस को और समर्थकों से मिल सकता है। आम जनता और सरकारी मशीनरी की संस्थाओं पर अविश्वास और सत्ता पक्ष की कमजोरी का संदेश जाना तय है। इस मामले में लोकतांत्रिक संस्कृति जिसमे संसद मे बहस, असहमति और जवाबदेही का लोकतंत्र का जो सबसे बड़ा मंच है, यदि वहां राजनीतिक टकराव और साजिश के कारण इस तरह के उदाहरण और भाषा का उपयोग होने लगे तो उसके बाद देश की सुरक्षा ?र लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता है। असहमति को खतरे के रूप में नहीं, लोकतंत्र की शक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। पिछले 70 सालों में सदन के अंदर बहुत तीखे वाद विवाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में हुए हैं। 2004 में भी प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर तत्कालीन विपक्ष भाजपा के नेताओं और सांसदों ने उनके खिलाफ वेल में जाकर वर्तमान की तुलना में और ज्यादा हंगामा किया था। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है लेकिन उस समय के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने सरकार का पक्ष रखा, विपक्ष विरोध भी करता रहा। सदन पक्ष और विपक्ष से मिलकर बनता है। सदन के अध्यक्ष सभी सदस्यों के पालक होते हैं। पिछले कुछ समय से अध्यक्ष की भूमिका को लेकर विपक्षी सदस्यों द्वारा शिकायतें दर्ज होती रही हैं। विपक्ष को बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा है। इसके बाद भी अध्यक्ष की जिम्मेदारी होती है कि वह चाहे सत्ता पक्ष का सांसद हो या विपक्ष का सांसद हो सभी के साथ समान रूप से व्यवहार करें।

सामाजिक न्याय हासिल करने की लम्बी यात्रा

रोहित वेम्यूला और अबेदा सलीम तड़वी की आत्महत्या के मुद्दे को लेकर दायर जनहित याचिकाओं और उच्च शैक्षणिक संस्थानों में आत्महत्या करने वाले छात्रों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने एक 16-पृष्ठीय दस्तावेज जारी किया जिसमें वे दिशानिर्देश थे जिन्हें उच्च शैक्षणिक संस्थानों में लागू किया जाना था। इन दिशानिर्देशों का उद्धेश्य था छात्रों को अपमान या ऐसे नकारात्मक विचारों से बचाना जिनके चलते वे अपनी जान ले लेते हैं।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान इस तरह की त्रासद और भयावह घटनाओं में बढ़ोत्तरी हुई है। राज्यसभा को प्रस्तुत की गई रपट च्सिग्नीफिकेंट स्टूडेंट सुइसिडस (2018-2023) में दिए गए आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में आईआईटी, आईआईएम और केन्द्रीय विश्वविद्यालयों सहित उच्च शिक्षण संस्थाओं में 98 छात्रों ने आत्महत्या की। हाशिए पर पड़े समुदायों में स्थिति अधिक चिंताजनक है: केन्द्रीय संस्थानों में 2014 से 2021 के बीच आत्महत्या करने वाले कुल 122 छात्रों में से अधिकांश अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों के थे। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में जाति आधारित भेदभाव की शिकायतों की संख्या में 2019 से 2024 की पांच वर्ष की अवधि के दौरान 118.4 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई।

इसके मद्देनजर यूजीसी की अनुशंसाएं एक ताजी हवा के झोंके की तरह हैं। लेकिन उत्तर भारत के कई स्थानों पर इनका विरोध किया गया, अधिकांशतः उच्च जातियों द्वारा जो संभवतः भाजपा की राजनीति के समर्थक थे। वे मामले को सुप्रीम कोर्ट में भी ले गए, जिसने आनन-फानन में यूजीसी के दिशानिर्देशों को लागू करने पर रोक लगा दी। सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि इस तरह के कदमों से समाज बंटेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने इन्हें अस्पष्ट बताते हुए कहा कि इनका बहुत आसानी से दुरूपयोग किया जा सकता है। हम जानते हैं कि कानूनों के दुरूपयोग की संभावना हमेशा रहती है और जरूरी प्रावधान करके इसे रोका जा सकता है।

तथ्य यह है कि इस तरह की घटनाओं की संख्या में 2019 से 2024 के बीच 118 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रोफेसर सतीश पांडे का तर्क है कि अतीत में जाति प्रथा के माध्यम से प्राप्त होने वाले विशेषाधिकारों का लाभ उठाते हुए पहले तो उच्च जातियों ने समाज में ऊंचा दर्जा हासिल कर लिया और फिर वे जाति-विहीन समाज की बातें करने लगीं। प्रोफेसर अजंथ सुब्रमण्यम बताते हैं कि किस तरह जाति-विहीनता को योग्यता को सबसे अधिक तरजीह देने से जोड़ा गया और इसका उपयोग ऊंची जातियों ने तमिलनाडु में जम कर किया क्योंकि वहां का सबाल्टर्न वर्ग अन्याय के खिलाफ उठ खड़ा हुआ। मगर आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों को आरक्षण दिए जाने से ऊंची जातियों अब योग्यता की दुहाई देने की स्थिति में भी नहीं हैं।

भाजपा को केन्द्र में सत्तारूढ़ हुए लगभग 12 साल हो चुके हैं। ऊंची जातियां यह जानती हैं और यह अपेक्षा करती हैं कि यह सरकार च्उनकी पक्षधरच् है और वह समाज के वंचित वर्गों के हित में उठाए जाने वाले हर सकारात्मक कदम को निष्प्रभावी करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी। इसकी एक मिसाल है उच्च शिक्षण संस्थाएं जहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ओबीसी के लिए आरक्षित पद रिक्त हैं जबकि आवश्यकत योग्यता रखने वाले इन समुदायों के शिक्षक पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं।

इसके अलावा हमारा अनुभव यह रहा है कि यह सरकार सामान्यतः उच्च जातियों को संरक्षण देती है और इसके राज में वंचित वर्गों पर होने वाले अत्याचारों की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है। पिछले कुछ दशकों में इन वर्गों की स्थिति बहुत खराब हुई है। कई आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक सूचकांकों से इसकी पुष्टि होती है। च्नेशनल कोएलेशन फॉर स्ट्रेंथनिंग एससीज एंड एसटीजच् के प्रतिवेदन में दिए गए आंकड़ों से ज्ञात होता है कि अनुसूचित जातियों पर होने वाले अत्याचारों में 2021 में 1.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 2021 में ऐसी सबसे अधिक घटनाएं उत्तरप्रदेश में हुईं जो कुल घटनाओं का 25.82 प्रतिशत थीं। इसके बाद राजस्थान और मध्यप्रदेश 14.7 और 14.1 प्रतिशत के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

प्रतिवेदन भारत के सामाजिक-राजनैतिक क्षेत्र में व्याप्त सड़ांध की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है। इसमें हिन्दुत्व शक्तियों की विचारधारा और उनके द्वारा समाज के चिन्हित वर्गों के विरुद्ध की जा रही हिंसा के कारण उसमें हुई बढ़ोत्तरी पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है। दलित ऐसा ही एक वर्ग है जिसे निशाना बनाया जा रहा है।

अनुसुचित जाति/जनजाति/ओबीसी वर्ग की लड़ाई लंबे समय से जारी है। पहला कदम था यह सुनिश्चित करना कि उनके साथ समानतापूर्ण व्यवहार हो और वे उच्च जातियों के प्रतिरोध के बावजूद शिक्षा हासिल कर सकें। जोतिराव फुले का जीवन एवं संघर्ष इसका उदाहरण है कि मनुष्य होने के नाते वे जिन मूलभूत अधिकारों के हकदार थे, उन्हें हासिल करने में भी उच्च जातियों ने कितनी बाधाएं खड़ी कीं। बाबासाहेब अम्बेडकर ने यह संघर्ष जारी रखा और इसमें मंदिरों में प्रवेश, सार्वजनिक जल स्त्रोतों तक पहुंच और अस्पृश्यता के विरोध जैसे मुद्दों को जोड़ा। राष्ट्रपिता ने अपने जीवन के कई वर्ष अस्पृश्यता के खिलाफ लड़ते हुए बिताए। एक दिलचस्प तथ्य यह है कि उनकी जान लेने का पहला प्रयास तब किया गया था जब उनका मुख्य संघर्ष अस्पृश्यता के उन्मूलन के खिलाफ चल रहा था और वे दलित उत्थान में जुटे हुए थे।

भारतीय संविधान में अस्पृश्यता के विरुद्ध प्रावधान किए गए। उसमें अनुसूचित जाति/जनजाति वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई, हालांकि ओबीसी वर्ग के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया। इस पर अमल आधे-अधूरे मन से किया गया और इन वर्गों के बहुत से लोग आवश्यक योग्यता के बावजूद नौकरियां हासिल करने से वंचित रहे।

आरक्षण लागू होने के बाद सन् 1980 आते-आते उच्च जातियों के एक वर्ग ने आरक्षण का विरोध करना शुरू कर दिया। प्रोपेगेंडा यह चलाया गया कि आरक्षित वर्गों के कम काबिल उम्मीदवारों की वजह से उच्च जातियों के अधिक योग्य उम्मीदवारों को नौकरियां हासिल नहीं हो पा रही हैं। आरक्षित वर्ग के लोगों को च्सरकार का दामादच् कहा जाने लगा। ये भ्रांतियां समाज की व्यापक समझ का हिस्सा बन गईं। इन वर्गों के प्रति नफरत के चलते 1980 के दशक में उनके विरुद्ध हिंसा हुई - पहले सन् 1980 में फिर 1985 में। अहमदाबाद और गुजरात के कुछ अन्य भागों में ऐसी घटनाएं अधिक संख्या में हुईं और यह हिंसा मुख्यतः आरक्षण के मुद्दे पर ही हुई।

चॉकलेट मीठा खाना कुछ गजब स्वाद है

भारत में चॉकलेट दिवस हर साल 9 फरवरी को भारत में वैलेंटाइन वीक समारोह के हिस्से के रूप में मनाया जाता है। इस दिन, प्रेमी एक-दूसरे को चॉकलेट उपहार में देते हैं और आशा करते हैं कि उनका रिश्ता हमेशा मीठा बना रहे। चॉकलेट सबसे पसंदीदा व्यंजनों में से एक है। इसने अटूट लोकप्रियता हासिल की है। चॉकलेट को पेय के रूप में, खाने योग्य बार के रूप में, डेज़र्ट में, या यहाँ तक कि फ्लेवरिंग के रूप में भी खाया जा सकता है। चॉकलेट बच्चों और वयस्कों दोनों के बीच पसंदीदा है। चॉकलेट दिवस साल भर किसी न किसी रूप में मनाया जाता है, लेकिन यह दिन प्रेमियों के बीच उपहार के रूप में चॉकलेट के उपयोग का उत्सव है। चॉकलेट के सेवन का इतिहास लगभग 2,500 साल पुराना है। एज़्टेक लोगों ने हाल ही में तरल चॉकलेट की खोज की थी और उनका मानना ??था कि ज्ञान के देवता, क्वेट्ज़ालकोटल ने उन्हें इसका आशीर्वाद दिया था। कोको के बीज इतने मूल्यवान माने जाते थे कि उन्हें मुद्रा के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था। उन दिनों, चॉकलेट में फ्लेवरिंग कम थे और इसे एक कड़वे पेय के रूप में सेवन किया जाता था। वास्तव में 16वीं सदी तक चॉकलेट चीनी-मुक्त होती थी, जब यूरोपीय लोगों ने इसमें चीनी मिलाना शुरू किया। इससे चॉकलेट अधिक स्वादिष्ट हो गई और बाजारों में जल्दी लोकप्रिय हो गई। यह कई घरों की पसंदीदा चीज़ों में से एक बन गई। आज की कई लोकप्रिय चॉकलेट कंपनियों ने 19वीं और 20वीं सदी की शुरुआत में अपना परिचालन शुरू किया। कैडबरी की स्थापना 1868 में इंग्लैंड में हुई थी और आज यह अग्रणी चॉकलेट ब्रांडों में से एक है। 25 साल बाद मिल्टन एस हर्शे ने हर्शे की शुरुआत की जो अब दुनिया के सबसे बड़े और सबसे प्रसिद्ध चॉकलेट ब्रांडों में से एक है। नेस्ले ने 1860 के दशक में अपना परिचालन शुरू किया और दुनिया के सबसे बड़े खाद्य समूहों में से एक बन गया है। जो एक पेय के रूप में शुरू हुआ था, उसने मुद्रा का रूप ले लिया और आज यह सबसे बड़े उद्योगों में से एक बन गया है जो न केवल आय उत्पन्न करता है और दुनिया भर में लाखों लोगों को रोजगार देता है, बल्कि ऐसे खाद्य पदार्थ भी बनाता है जो हममें से बहुत से लोगों को पसंद हैं! चॉकलेट दिवस इस खाद्य सामग्री की अविश्वसनीय बहुमुखी प्रतिभा का भी जश्न मनाता है। चॉकलेट दिवस पर प्रेमी एक-दूसरे को प्यार के प्रतीक के रूप में दिल के आकार की चॉकलेट देते हैं। अपने प्रियजनों को चॉकलेट गिफ्ट करने से सारे तनाव और दुख दूर हो जाते हैं और रिश्ते में मिठास बढ़ती है। फरवरी की छुट्टियाँ चॉकलेट डे का इतिहास चॉकलेट खाने का इतिहास लगभग 2,500 साल पुराना है। एज़्टेक लोगों ने हाल ही में लिक्विड चॉकलेट की खोज की थी और उनका मानना ??था कि ज्ञान के देवता, क्वेट्ज़ालकोटल ने उन्हें यह आशीर्वाद दिया था। कोको के बीज इतने कीमती माने जाते थे कि उन्हें मुद्रा के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था। उन दिनों, चॉकलेट में फ्लेवरिंग कम होती थी और इसे एक कड़वे पेय के रूप में पिया जाता था। 16वीं सदी तक चॉकलेट असल में बिना चीनी के होती थी, जब यूरोपियनों ने इसमें चीनी मिलाना शुरू किया। इससे चॉकलेट ज़्यादा स्वादिष्ट हो गई और जल्दी ही बाज़ारों में लोकप्रिय हो गई। यह कई घरों की पसंदीदा चीज़ बन गई। आज की कई लोकप्रिय चॉकलेट कंपनियों ने 19वीं और 20वीं सदी की शुरुआत में अपना काम शुरू किया। कैडबरी की स्थापना 1868 में इंग्लैंड में हुई थी और आज यह प्रमुख चॉकलेट ब्रांडों में से एक है।

समय का चक्र

जब तुम्हें लगता है कि समय बहुत कम है तुम या तो बेचैन होते हो या अत्यंत सजगता की अवस्था में होते हो। दुखी या उत्सुक होने पर तुम्हें समय बहुत लम्बा लगता है। जब तुम प्रसन्न हो और जो कुछ कर रहे हो, उसमें आनंद आ रहा है तब तुम्हें समय का आभास नहीं होता। इसी प्रकार, नींद में भी तुम्हें समय का आभास नहीं होता। जब तुम समय से आगे हो, समय कहता ही नहीं और नीरसता अनुभव होती है। जब समय तुमसे आगे है तब तुम आश्चर्यचकित और स्तब्ध होते। तुम घटनाओं को आत्मसात नहीं कर पाते। गहन ध्यान में तुम ही समय हो और सब कुछ तुम्हारे अन्दर घटित हो रहा है। घटनाएं तुममें ऐसे घटती हैं जैसे आसमान में बादल गुजरते हैं।

जब तुम समय के साथ होते हो, तुम ज्ञानी हो, तुम्हारा मन शांत है। जब मन प्रसन्न होता है तब यह विस्तृत होता है तब समय भी बहुत छोटा लगता है। जब मन दुखी होता है संकुचित होता है तब समय बहुत लंबा प्रतीत होता है। जब मन समचित्त है स्थिर है तब यह काल के परे है। इन दोनों स्थितियों से बचने के लिए कई व्यक्ति मदिरा या निद्रा का सहारा लेते हैं परंतु जब मन जड़ या बेसुध होता है तब यह अपनी ही अनुभूति नहीं कर सकता। समाधि ही असली शांति है जो मन और समय के परे है।

जैसे मन समय को अनुभव करता है वैसे इस क्षण का भी अपना एक मन है। एक विराट मन, जिसमें व्यवस्था करने की असीमित और असीम योग्यता है। एक विचार और कुछ नहीं समय के इस क्षण में एक तरंग है और समाधि के कुछ ही पल मन को ऊर्जा से भर देते हैं। निष्क्रियता के पहले और जिस पल तुम नींद से जागते हो, सचेतनता के उन धूमिल क्षणों में समय के मन का अनुभव करो। जीवन साकार व निराकार का मिश्रण है। भावनाओं का कोई आकार नहीं परंतु उनकी अभिव्यक्ति साकार होती है। आत्मा का कोई रूप नहीं परंतु उसका निवास साकार में है। इसी तरह ज्ञान और कृपा का भी कोई रूप नहीं लेकिन उनकी अभिव्यक्ति किसी रूप द्वारा ही होती है। निराकार को हृदय की सेतु जोड़ता है- सांसारिक और संवेदनशील। आकार को छोड़ते ही सेतु एक अमित तपस्वी, अत्यधिक समझने देखने वाले या भावनात्मक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति बन जाते

आज का राशिफल

शुभ संवत 2082, शके 1947, सौम्य गोल, फाल्गुन कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिमे तिथी अष्टमी, सोमवार, विशाखा नक्षत्र, धुव योग, कौलव करण, तुला की चंद्रमा, श्री जानकी जयंती तथा पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, शासक प्रशासक, उत्तम बुद्धि वाला, रोगी-भोगी तथा कार्यकुशल, सुन्दर, सुशील, कोमल हृदय वाला, दयालु प्रवृत्ति का होगा।

मेष राशि - साधन संपन्नता के योग फलप्रद हों, धार्मिक योजना अवश्य सफल होगी, ध्यान रखें।

वृष राशि - अपने किये पर पछताना पड़ेगा, मानसिक बेचैनी, क्लेश तथा अशांति बनेगी।

मिथुन राशि - सफलता के साधन जुटायें व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, समस्या सुलझेगी।

कर्क राशि - अनेक कार्य में सफलता मिलेगी, स्त्री से सुख, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे।

सिंह राशि - स्त्री वर्ग से हर्ष उल्लास होगा, भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, कार्यगति उत्तम हो।

कन्या राशि - धन प्राप्त हो, अधिकारी सफलता में वृद्धि होवे, बिगड़े कार्य बनेंगे।

तुला राशि - अनुकूल सफलता का हर्ष, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे, कार्ययोजना सफल हो।

वृश्चिक राशि - दैनिक समृद्धि के साधन बनेंगे, अधिकारियों से कार्ययोजना से लाभ हो।

धनु राशि - कार्ययोजना पूर्ण हो, बड़े लोगों से मेल मिलाप होगा, कार्य अवरोध से बचें।

मकर राशि - कार्यकुशलता से संतोष, स्थिति में सुधार तथा चिंता अवश्य कम होगी।

कुंभ राशि - आर्थिक योजना पूर्ण अवश्य ही होगी, शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी बढ़ेगी।

मीन राशि - दैनिक कार्य में बाधा, चिंता, उद्विग्नता से बचें धन का व्यय होगा।

गड्ढों वाली व्यवस्था और खतरे में पड़ता जीवन

गड्ढों में गिरी व्यवस्था में समाप्त होता जीवन आज के भारत की एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर मन भीतर तक सिहर उठता है। नोएडा में कार सवार युवा इंजीनियर की गड्ढे में गिरकर मौत का दर्द अभी समाज के मन से उतरा भी नहीं था कि दिल्ली में बाइक सवार युवक की जान एक खुले गड्ढे ने लील ली। दोनों घटनाओं में समानता यह है कि गड्ढे प्रशासन द्वारा विकास या मरम्मत के नाम पर खोदे गए थे और दोनों जगह न तो कोई बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न रोशनी की व्यवस्था। मानो व्यवस्था ने पहले गड्ढा खोदा और फिर निश्चिंत होकर वहां से हट गई कि अब जो होगा, वह नागरिक की किस्मत है। यही वह सोच है जो किसी भी समाज को भीतर से खोखला कर देती है।

प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए। यह सामान्य हो जाना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि जब मौतें सामान्य लगने लगें, तब व्यवस्था की संवेदनशीलता मर चुकी होती है।

दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदा गया गड्ढा हो या नोएडा की किसी एजेंसी का, जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया हर बार एक जैसी रहती है। अफसर निलंबित कर दिए जाते हैं, जांच समितियां बना दी जाती हैं, 24 या 48 घंटे में रिपोर्ट देने की घोषणा होती है और कुछ समय बाद वही फाइलें धूल फांकने लगती हैं। निलंबन और जांच अब समाधान नहीं, बल्कि एक औपचारिक रस्म बन गई है। सवाल यह है कि क्या निलंबन से मरे हुए बेटे लौट आते हैं, क्या जांच समितियों से टूटे हुए परिवार फिर से जुड़ जाते हैं। जब तक जवाबदेही केवल कागजों पर सिमटी रहेगी, तब तक गड्ढों में गिरती जिंदगियां यूं ही व्यवस्था का शिकार बनती रहेंगी।

इस पूरी तस्वीर का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बड़े शहरों में ऐसी घटनाएं कम से कम चर्चा में तो आती हैं, मीडिया सवाल तो उठाता है, लेकिन छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में यही गड्ढे रोज जिंदगियां निगल रहे हैं और खबर तक नहीं बनते। वहां न कैमरा पहुंचता है, न कोई प्रतिनिधि, न कोई जांच समिति। वहां मौतें सिर्फ परिवारों की निजी त्रासदी बनकर रह जाती हैं। क्या नागरिक का मूल्य शहर के आकार से तय होगा। क्या महानगरों का नागरिक ज्यादा कीमती है और छोटे शहरों का नागरिक सस्ता। यह असमानता केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की भी है।

हम एक ओर विकसित भारत, सशक्त भारत, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात करते हैं, दूसरी ओर हमारी सड़कों पर खुले गड्ढे हमें आईना दिखाते हैं। विकास की रफ्तार तेज हो सकती है, लेकिन यदि उस रफ्तार में सुरक्षा, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना नहीं जुड़ी, तो वह रफ्तार विनाश की ओर ही ले जाएगी। यह विडंबना ही है कि हम स्मार्ट सिटी की बातें करते हैं, लेकिन स्मार्ट बैरिकेडिंग, स्मार्ट चेतावनी और स्मार्ट जिम्मेदारी पर बात करना भूल जाते हैं। तकनीक के युग में भी एक साधारण चेतावनी बोर्ड लगाना हमारे तंत्र को याद नहीं रहता।दरअसल समस्या केवल लापरवाही की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की है जिसमें नागरिक को एक आंकड़ा समझ लिया गया है। फाइलों में वह एक केस नंबर है, सड़क पर वह एक बाधा और हादसे के बाद वह एक आंकड़ा। जब तक प्रशासन और शासन की दृष्टि में नागरिक का जीवन सर्वोपरि मूल्य नहीं बनेगा, तब तक हर नया गड्ढा एक नई मौत की संभावना बनकर खड़ा रहेगा। सवाल यह भी है कि क्या इन गड्ढों के लिए कभी उच्च स्तर पर नैतिक जिम्मेदारी तय होगी। क्या कभी ऐसा होगा कि किसी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति से पूछा जाए कि आपके विभाग की लापरवाही से एक जान गई, इसलिए आप पद पर बने रहने के नैतिक अधिकारी नहीं हैं।

भ्रष्ट शासन के समाप्त होने की बड़ी-बड़ी घोषणाएं हर चुनाव में सुनाई देती हैं। पोस्टर बदलते हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन जमीन पर गड्ढे वैसे ही रहते हैं। यदि भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने तक सीमित होता तो शायद उसे पहचानना आसान होता, लेकिन यह जो संवेदनहीन भ्रष्टाचार है, जहां नियमों की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और समय पर काम पूरा न करना शामिल है, यह ज्यादा खतरनाक है। इसमें पैसा दिखता नहीं, लेकिन इसकी कीमत किसी की जान से चुकानी पड़ती है।

आज जब हम अमृत काल और शताब्दी वर्ष में नए भारत की कल्पना कर रहे हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो जाता है कि क्या खुले गड्ढों वाला देश महान बन सकता है। क्या वह देश विकसित कहलाने योग्य है, जहां नागरिक रात को सड़क पर निकलते समय यह दुआ करे कि कहीं कोई गड्ढा उसकी जिंदगी न छीन ले। विकास केवल पुलों, सड़कों और इमारतों से नहीं मापा जाता, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि आम आदमी खुद को कितना सुरक्षित महसूस करता है। यदि सुरक्षा का भरोसा नहीं, तो सारी उपलब्धियां खोखली हैं।

गड्ढों में गिरी व्यवस्था केवल सड़कों की समस्या नहीं है, यह हमारे शासन तंत्र की नैतिक गिरावट का प्रतीक है। यह उस दूरी को दिखाता है जो सत्ता और नागरिक के बीच बढ़ती जा रही है। जब तक हर गड्ढे को सिर्फ तकनीकी खामी समझा जाएगा और हर मौत को दुर्भाग्य कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक यह सिलसिला रुकेगा नहीं। जरूरत इस बात की है कि हर गड्ढा एक सवाल बने, हर मौत एक चेतावनी और हर लापरवाही एक अपराध मानी जाए।

कब वे गड्ढे भरेंगे, कब व्यवस्था की दरारें बंद होंगी और कब विकास की दौड़ में भागता देश यह भरोसा पाएगा कि वह सुरक्षित हाथों में है, यह सवाल आज हर नागरिक के मन में है। शायद उस दिन हम सचमुच कह सकेंगे कि हमारा देश महान बनने की राह पर है। अभी तो लगता है कि हम महान नहीं, बल्कि परेशान हैं और यह परेशानी सिर्फ गड्ढों की नहीं, गड्ढों में गिरती संवेदनाओं की है।

फिल्म वर्ग पहेली- 7109

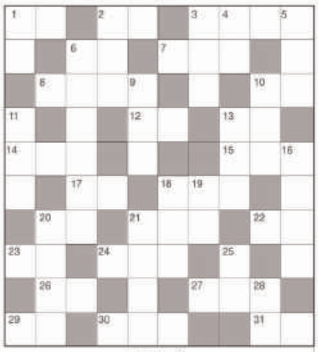

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्ट की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास है' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेंहदी' में रानी का नायक?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, नैकी विल्या, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनीवर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हुम हुम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली ऋषीराजकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. हंसता हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, जरीना वहाब, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झुमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7108

अमेरिका से नहीं डरा ईरान कहा- हम किसी भी देश के दबाव में आने वाले नहीं

तेहरान। ओमान में अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधियों के बीच हुई हालिया बातचीत ने वैश्विक कूटनीति में एक नई हलचल पैदा कर दी है। हालांकि इस मुलाकात को एक अच्छी शुरुआत माना जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि दोनों देशों के बीच मतभेदों की खाई कम होने के बजाय और गहरी होती दिख रही है। ईरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। तेहरान ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि वह केवल परमाणु मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और मिसाइल कार्यक्रम या क्षेत्रीय गुटों के समर्थन जैसे विषयों को बातचीत की मेज से पूरी तरह बाहर रखता है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने क?े लहजे में कहा कि यूरेनियम संवर्धन ईरान का अविभाज्य अधिकार है और यह प्रक्रिया किसी भी कीमत पर नहीं रुकेगी। उन्होंने अमेरिका को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ईरानी धरती पर किसी भी तरह का हमला हुआ, तो मध्य पूर्व में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य ठिकाने ईरान की मिसाइलों के निशाने पर होंगे। अराघची ने ओमान वार्ता को सकारात्मक बताते हुए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से शिष्टाचार भेंट की बात तो स्वीकार की, लेकिन साथ ही यह भी जो?ा कि भरोसे की बहाली के लिए अभी एक बहुत लंबा रास्ता तय करना बाकी है। ईरान का मानना है कि समाधान केवल सम्मानजनक बातचीत से ही निकल सकता है, प्रतिबंधों या धमकियों से नहीं। दूसरी ओर, अमेरिका ने इस मामले में डबल गेम की नीति अपनाई है।

एक तरफ जहां बातचीत को सफल बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी कर ईरान पर आर्थिक शिकंजा और कस दिया है। इस आदेश के तहत ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर भारी टैरिफ और ईरान के तेल निर्यात में शामिल दर्जनों जहाजों व कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाए गए हैं। ट्रंप प्रशासन की ताकत के दम पर शांति की नीति के तहत अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने हाल ही में अरब सागर में तैनात विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन का दौरा कर अपनी सैन्य तैयारियों का प्रदर्शन भी किया। इस कूटनीतिक रस्साकशी के बीच इजरायल की चिंताएं चरम पर हैं।

इजरायल चाहता है कि अमेरिका केवल परमाणु कार्यक्रम ही नहीं, बल्कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल नेटवर्क और हिजबुल्लाह व हमास जैसे गुटों को मिलने वाली मदद पर भी क?ा रुख अपनाए। ईरान द्वारा इन मुद्दों पर बात करने से इनकार करने के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी निर्धारित वाशिंगटन यात्रा को समय से पहले करने का निर्णय लिया है। नेतन्याहू अगले हफ्ते राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करेंगे, जहां उनके साथ इजरायली वायु सेना के भावी प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल ओमर टिशलर भी होंगे।

इधर शांति की बातें होतीं रहीं उधर 400 ड्रोन्स और मिसाइलों ने यूक्रेन में मचा दी तबाही

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध एक निर्णायक मोड़ पर पहुँच गया है। एक तरफ जहाँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति बहाली के लिए उच्च स्तरीय बैठकें हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ यूक्रेन की धरती पर आसमान से तबाही बरस रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि शांति समझौतों पर चल रही चर्चाओं के बीच रूस ने पिछले 24 घंटों में 400 से ज्यादा मौत के दूतों (ड्रोन्स और मिसाइलों) के जरिए उनके देश के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया है। जेलेंस्की का आरोप है कि रूस भीषण ठंड को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर यूक्रेन को घुटने टेकने पर मजबूर करना चाहता है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के अनुसार, रूस ने अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला करते हुए देश के पावर ग्रिड और बिजली वितरण केंद्रों को छलनी कर दिया है। इस हमले में 400 से अधिक आत्मघाती ड्रोन्स और 40 घातक मिसाइलों का उपयोग किया गया। मास्को के इस हमले ने वोलिन, लविव, रिव्ने और विन्नित्सिया जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। रिव्ने में तो एक रिहायशी इमारत को भी निशाना बनाया गया, जिससे आम नागरिकों में दहशत का माहौल है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर क्षतिग्रस्त बिजली केंद्रों की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि मास्को ने कूटनीति के बजाय विनाश का रास्ता चुना है और अब दुनिया को मास्को से ठंड को हथियार बनाने की ताकत छीननी होगी। इस भीषण तनाव के बीच एक बड़ी कूटनीतिक खबर यह आई है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस युद्ध को समाप्त करने के लिए जून 2026 की समय-सीमा (डेडलाइन) तय कर दी है। ट्रंप प्रशासन का लक्ष्य है कि इससे पहले दोनों पक्षों के बीच एक ठोस समझौता हो जाए। हाल ही में 4 और 5 फरवरी को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अमेरिका की मध्यस्थता में एक त्रिपक्षीय बैठक हुई थी। हालांकि क्षेत्रीय विवादों और युद्धविराम पर कोई अंतिम सहमति नहीं बन सकी, लेकिन मानवीय आधार पर एक बड़ी सफलता मिली। लगभग पांच महीनों के अंतराल के बाद दोनों पक्षों ने 314 कैदियों की अदला-बदली की है। शांति की इन कोशिशों के बावजूद जमीन पर हालात पेचीदा बने हुए हैं। रूस अभी भी डोनबास क्षेत्र से यूक्रेन की सेना की पूर्ण वापसी की मांग पर अड़ा है, जिसे कीव ने स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है।

6 दिन में 76 हमले, सैकड़ों पाक सुरक्षाबलों को मारने का बीएलए ने किया दावा

लाहौर। बलूचिस्तान में जारी संघर्ष के बीच बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ऑपरेशन हेरोफ-2 अभियान के तहत बड़े पैमाने पर हमले करने का दावा किया है। संगठन के मुताबिक 31 जनवरी सुबह 5 बजे से शुरू होकर 6 फरवरी शाम 4 बजे तक चले छह दिन के इस अभियान में उसके लड़ाकों ने 14 शहरों में 76 से ज्यादा हमले किए। बीएलए की तरफ से एक बयान में बताया गया है कि इनमें कई हमले एक साथ और समन्वित तरीके से अंजाम दिए गए। बीएलए ने कहा कि इस अभियान में उसकी प्रमुख इकाइयों- मजीद ब्रिगेड, फतेह स्क्वाड, स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशंस स्क्वाड, खुफिया विंग जिरब और मीडिया विंग हक्काल ने हिस्सा लिया।

उत्तर कोरिया में देख लिया दक्षिण कोरियाई टीवी शो........फांसी की सजा तय

प्योंगयान। उत्तर कोरिया में लोगों को जानी दुश्मन देश दक्षिण कोरियाई के टीवी शो देखने या के-पॉप सुनने पर फांसी की सजा दी जा रही है और उन्हें लेबर कैंप में भेजा जा रहा है। इसमें स्कूल के बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अपनी रिपोर्ट में दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया से भागकर आए लोगों ने बताया कि क्रैश लैंडिंग ऑन यू, डिसेंडेंट्स ऑफ द सन और स्क्विड गेम जैसे लोकप्रिय दक्षिण कोरियाई ड्रामा देखने या के-पॉप सुनने पर मौत तक की सजा हो सकती है।

ऊंटों को मिला 'पासपोर्ट'! सऊदी अरब का अनोखा कदम, जानिए क्या है मकसद

रियाद। सऊदी अरब ने पशुधन प्रबंधन को आधुनिक बनाने की दिशा में एक अनोखी पहल करते हुए ऊंटों के लिए आधिकारिक ÷कैमल पासपोर्ट÷ प्रणाली शुरू कर दी है। उप पर्यावरण, जल और कृषि मंत्री मनसूर अलमुशैती ने इसकी घोषणा करते हुए बताया कि यह कदम देश की महत्वाकांक्षी सऊदी विजन 2030 योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक क्षेत्रों को तकनीक और व्यवस्था से जोड़ना है।सरकार के अनुसार, यह पासपोर्ट ऊंटों की आधिकारिक पहचान का दस्तावेज होगा। इसमें माइक्रोचिप नंबर, नाम, जन्मतिथि, नस्ल, रंग, जन्मस्थान, लिंग और जानकारी दर्ज की जाएगी।

ट्रंप की दो टूक, जून तक समझौता कर लें यूक्रेन और रूस

वाशिंगटन। अमेरिका ने यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए जून तक की डेडलाइन दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका दोनों पक्षों पर दबाव डालकर इस समय सीमा तक समझौता करवाना चाहता है। जेलेंस्की के अनुसार, 'अगर समय पर समझौता नहीं हुआ, तब वे दोनों देशों पर और अधिक दबाव डाल सकते है।

बांग्लादेश में जेल में बंद अवामी लीग के नेता की मौत से सरकार-पुलिस पर उठे सवाल

रमेशचंद्र सेन को पिछले साल 16 अगस्त को किया था गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश में चुनाव सिर पर है और देश में अल्पसंख्यकों पर हमले नहीं रुक रहे हैं। चुनाव से पहले कई पार्टी के नेताओं की हत्या हो चुकी है। हाल ही में बांग्लादेश के पूर्व मंत्री और सीनियर अवामी लीग नेता रमेशचंद्र सेन को लेकर खबर आ रही है कि शनिवार को दिनाजपुर जिला जेल में पुलिस कस्टडी में उनकी मौत हो गई। दावा किया गया कि रमेश चंद्र सेन बीमार थे लेकिन जेलों में अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों की मौतों ने सरकार और पुलिस पर सवाल खड़ा कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले काफी समय से बांग्लादेश की जेलों में अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों की हिरासत में मौतों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिसके बाद में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत राजनीतिक दमन और टारगेटेड कार्रवाई के आरोप और तेज हो गए हैं। रिपोर्टों के मुताबिक अगस्त 2024 से अब तक अवामी लीग और उसके सहयोगी संगठनों के कम से कम 30 से 40 वरिष्ठ नेताओं और सक्रिय कार्यकर्ताओं की जेल या पुलिस हिरासत में मौत हो चुकी है। बता दें सेन पहले जल संसाधन मंत्री थे और ठाकुरगांव-1 निर्वाचन क्षेत्र से सांसद थे। उन्हें शनिवार सुबह दिनाजपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

बांग्लादेश के अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक वह सुबह बीमार हो गए और उन्हें जिला जेल से अस्पताल ले जाया गया। जेल प्रशासन के सूत्रों ने बताया कि सेन को पिछले साल 16 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था और बाद में उन्हें दिनाजपुर जिला जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। खबर यह भी है कि उन पर तीन अलग-अलग मामले चल रहे थे, जिसमें एक हत्या से जुड़ा केस भी शामिल था। जेल अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

रूसी यूनिवर्सिटी में हुई चाकूबाजी में 4 भारतीय छात्र घायल, पुलिस पर भी हुआ हमला

मॉस्को। रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य से एक विचलित करने वाली खबर सामने आई है, जहाँ शनिवार को उफ़ा स्थित स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के छात्रावास में हुई चाकूबाजी की घटना में चार भारतीय छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस हमले में कुल आठ लोगों को निशाना बनाया गया। रूस के गृह मंत्रालय ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक किशोर संदिग्ध चाकू लेकर छात्रावास परिसर में घुस गया और वहां रह रहे छात्रों पर अंधाधुंध हमला करना शुरू कर दिया।

हमले की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हमलावर ने न केवल छात्रों को अपना शिकार बनाया, बल्कि गिरफ्तारी का विरोध करते हुए दो पुलिस अधिकारियों को भी चाकू मारकर घायल कर दिया। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, सुरक्षाबलों द्वारा घेरे जाने पर संदिग्ध ने खुद को भी शारीरिक नुकसान पहुंचाया और खुद को चाकू मार लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटनास्थल के दृश्यों को अत्यंत डरावना बताया है। रूस में स्थित भारतीय मिशन ने इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। दूतावास ने बताया कि घायल छात्रों में चार भारतीय शामिल हैं और वह स्थानीय अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए है। कज़ान स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारी सहायता और समन्वय के लिए तत्काल उफ़ा के लिए रवाना हो गए हैं। रूसी संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, घायल चार लोगों का सघन चिकित्सकीय उपचार किया जा रहा है, जिनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि तीन अन्य की स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है।

मलेशिया में पीएम मोदी ने कहा- आंतक पर कोई दोहरा मापदंड नहीं और कोई समझौता नहीं

कुआलालंपुर। भारत और मलेशिया के बीच सदियों पुराने संबंधों को समकालीन वैश्विक संदर्भ में नई दिशा देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दो दिवसीय मलेशिया यात्रा के दौरान द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक रोडमैप को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी की वर्ष 2026 की यह पहली विदेश यात्रा है, जो इस क्षेत्र में भारत की प्राथमिकता और मलेशिया के साथ बढ़ते रणनीतिक महत्व को दर्शाती है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ आयोजित एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल बैठक के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत और मलेशिया की सभ्यताएं न केवल सांस्कृतिक विरासत से, बल्कि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों से भी मजबूती से जुड़ी हुई हैं।

दोनों देशों के बीच पिछले कुछ वर्षों में संबंधों की गहराई का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, विनिर्माण, डिजिटल अर्थव्यवस्था और बायोटेक जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हो रही प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। रक्षा और सुरक्षा के मोर्चे पर, आतंकवाद के खिलाफ भारत के सख्त रुख को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक शांति के लिए आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनानी होगी। इसके तहत खुफिया जानकारी साझा करने, समुद्री सुरक्षा और काउंटर-टेररिज्म में सहयोग को और अधिक विस्तार दिया जाएगा। आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर और स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में भी दोनों देश मिलकर काम करेंगे, जिससे दक्षिण-पूर्व एशिया में एक नया तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो सके।

आर्थिक मोर्चे पर, प्रधानमंत्री ने सीईओ फोरम के माध्यम से उभर रहे निवेश के अवसरों को भारत-मलेशिया रणनीतिक बदलाव की धुरी बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आसियान- भारत वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा को जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए, ताकि व्यापारिक बाधाएं दूर हों और आर्थिक लाभ जन-जन तक पहुंच सके।

ईरान की मिसाइल फतह-1 चंद मिनट में कर देगी इजराइल व अमेरिकी सैन्य ठिकाने तबाह

-न्यूक्लियर बातचीत में नहीं झुका ईरान, ट्रंप ने किया नए प्रतिबंधों का ऐलान

तेहरान। ईरान-अमेरिका के बीच टेंशन चरम पर पहुंच गई जब न्यूक्लियर बातचीत के खत्म होते ही ट्रंप ने ईरान के तेल पर नए प्रतिबंधों का ऐलान कर दिया। इससे साफ है कि ईरान ने अमेरिका के आगे झुकने से साफ इनकार कर दिया है। ट्रंप के तेवरों के देखते हुए ईरान अपने हथियार लेकर पूरी तैयारी के साथ खड़ा है। इस बीच खामेनेई की एक खतरनाक मिसाइल फतह-1 सुर्खियों में आ गई है, जिसे लेकर ईरान ने दावा किया कि ये 6 मिनट में दुश्मन का काम तमाम कर सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइलों की दुनिया में ईरान की 'फतह-1' इस वक्त सबसे बड़ा चर्चा का विषय बनी हुई है। फरवरी 2026 की ताजा रिपोर्टों और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अपनी इस ताकतवर मिसाइल को 'अंडरग्राउंड मिसाइल सिटीज' में तैनात कर दिया है। यह सिर्फ एक हथियार नहीं, बल्कि अमेरिका और इजराइल के लिए सीधा और खतरनाक संदेश है। ईरान का दावा है कि उसकी यह मिसाइल लॉन्च होने के महज 6 से 7 मिनट में इजराइल के किसी भी कोने को तबाह कर सकती है।

इजराइल और ईरान के बीच करीब 2000 किमी की दूरी है और ये मिसाइल इतनी दूर तक के टारगेट को नेस्तानाबूत कर सकती है यानी मिडिल ईस्ट में करीब उन सभी जगहों पर पहुंच सकती है, जहां पर अमेरिका ने मिलिट्री बेस बना रखे हैं। ये मिसाइल अक्टूबर 2024 में भी इजराइल पर दागी जा चुकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस मिसाइल की स्पीड को ईरान ने बड़े-बड़े बैनर के साथ प्रमोट किया था, जिसमें लिखा था 'तेल अवीव के लिए 400 सेकेंड'। ईरान ने खुले तौर पर चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने उस पर हमला किया, तो खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकाने उसके निशाने पर होंगे।

कतर का अल-उदेद एयर बेस, जो अमेरिका का सबसे बड़ा ठिकाना है, इस मिसाइल की जद में है। 2026 की सामरिक रिपोर्टों के मुताबिक ईरान अब 'डिफेंस' से हटकर 'ऑफेंस' की नीति अपना चुका है, जिसे उसने 'एक्टिव डिटरेंस' का नाम दिया है।

एक-दूसरे से जुड़ी है भारत-मलेशिया की समृद्धिः सुरक्षा, तकनीक और शांति पर हुए समझौते

कुआलालंपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मलेशिया की दो दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन भारत और मलेशिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों का एक नया और स्वर्णिम अध्याय शुरू हुआ। रविवार को प्रधानमंत्री मोदी और उनके मलेशियाई समकक्ष अनवर इब्राहिम के बीच आयोजित प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि नई दिल्ली और कुआलालंपुर की समृद्धि एक-दूसरे की प्रगति में निहित है। दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान वैश्विक अस्थिरता के दौर में दो महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसियों के रूप में भारत और मलेशिया को अपनी पूरी क्षमता का दोहन करने की आवश्यकता है। रक्षा और सुरक्षा के मोर्चे पर दोनों देशों ने एक अत्यंत मजबूत और स्पष्ट रुख अपनाया। संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि भारत और मलेशिया अपने रक्षा सहयोग को और अधिक व्यापक बनाएंगे। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में दोहरे मापदंड की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं हो सकता। इसके साथ ही, खुफिया जानकारी साझा करने और समुद्री सुरक्षा को लेकर भी दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी। प्रधानमंत्री इब्राहिम ने वैश्विक स्तर पर शांति प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता की सराहना की, विशेष रूप से यूक्रेन-रूस और मध्य पूर्व (गाजा) के संघर्षों के संदर्भ में भारत के संतुलित और शांतिपूर्ण दृष्टिकोण को सराहा।आर्थिक और तकनीकी भविष्य को ध्यान में रखते हुए, दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्र अब हमारी साझेदारी की प्राथमिकता होंगे। उन्होंने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिरता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि वैश्विक संस्थानों में सुधार आज की अनिवार्य आवश्यकता है। मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने भारत की आर्थिक वृद्धि की प्रशंसा करते हुए कहा कि 1957 से चले आ रहे हमारे ऐतिहासिक संबंधों को व्यापार, निवेश और कनेक्टिविटी के माध्यम से एक नई मजबूती मिली है। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत ने वैश्विक आर्थिक मोर्चे पर शानदार प्रगति की है, जिससे पूरे क्षेत्र को प्रेरणा मिलती है।

इमरान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 17-17 साल की लंबी सजा

तोशाखाना-2 भ्रष्टाचार मामले में अदालत ने सुनाया फैसला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजनीति से बड़ी खबर आ रही है जहाँ पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की परेशानी बढ़ गई हैं। तोशाखाना-2 भ्रष्टाचार मामले में अदालत ने दोनों को 17-17 साल की लंबी सजा सुनाई है।

रावलपिंडी की अदियाला जेल में बनी स्पेशल कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। जज ने दोनों को अलग-अलग धाराओं में कुल 17 साल की सजा दी है। साथ ही, उन पर 1 करोड़ 64 लाख पाकिस्तानी रुपये का भारी जुर्माना लगा दिया है। हालांकि, बुशरा बीबी के महिला होने के नाते सजा में थोड़ी नरमी की बात कही जा रही है, लेकिन सजा फिर भी काफी सख्त है।

दरअसल पूरा मामला 2021 का है, जब सऊदी अरब की सरकार ने इमरान को कुछ महंगे तोहफे दिए थे। इसमें कीमती घ?ियाँ, हीरे और सोने के गहने शामिल थे। नियम कहता है कि सरकारी पद पर रहते हुए विदेशी नेताओं से जो भी गिफ्ट मिलते हैं, उन्हें तोशाखाना (सरकारी खजाने) में जमा करना पड़ता है। आप चाहें, तब तय कीमत चुकाकर उन्हें बाद में खरीद भी सकते हैं। अब मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी पर आरोप यह है कि इन तोहफों की असली कीमत करीब 7 करोड़ रुपये थी, लेकिन कागजों पर इन्हें सिर्फ 58-59 लाख का दिखाया गया। कहा जा रहा है कि इन दोनों ने मिलकर बहुत कम कीमत पर ये कीमती चीजें हथियाने की कोशिश की।

अदालत में 21 गवाहों ने अपनी बात रखी। फैसले के वक्त इमरान और बुशरा दोनों वहां मौजूद थे।

नहीं मिला गठबंधन को बहुमत......दे दूंगी इस्तीफा, ताकाइची ने कहा

टोक्यो। जापान में लोअर हाउस के लिए मतदान हो रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री साने ताकाइची को बड़ी जीत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, देश के कई हिस्सों में बर्फबारी के कारण मतदान प्रतिशत घटने की आशंका है। ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने अक्टूबर में पद संभाला था।

ओपिनियन पोल के अनुसार, उनकी कंजर्वेटिव गठबंधन (लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और जापान इनोवेशन पार्टी) को संसद के निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) की 465 सीटों में से 300 से ज्यादा सीटें मिल सकती हैं।

फिलहाल गठबंधन के पास 233 सीटें हैं, और अगर यह 310 सीटें जीत लेता है, तब ऊपरी सदन में विपक्ष के नियंत्रण के बावजूद कानून पास करने की ताकत मिलेगी। ताकाइची ने कहा है कि अगर गठबंधन बहुमत खो देता है, तब वह इस्तीफा दे देंगी। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी ताकाइची को समर्थन जता चुके हैं।

दरअसल ताकाइची ने चीन के खिलाफ मजबूत रुख अपनाकर सैन्य खर्च बढ़ाया है, आर्थिक पैकेज और टैक्स कटौती की घोषणा की है। उन्होंने खाद्य पदार्थों पर 8 प्रतिशत सेल्स टैक्स को दो साल के लिए निलंबित करने का वादा किया है, ताकि बढ़ती महंगाई से लोगों को राहत मिले। रणनीतिक सलाहकार कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर के मुताबिक, 'अगर ताकाइची बड़ी जीत दर्ज करती हैं, तब उन्हें टैक्स में कटौती जैसे अहम फैसलों को लागू करने की आजादी मिलेगी।'दरअसल ट्रम्प ने अपनी पोस्ट में ताकाइची को पूर्ण समर्थन दिया है। उन्होंने ताकाइची को मजबूत, शक्तिशाली और बुद्धिमान नेता कहा, जो अपने देश से सच्चा प्यार करती हैं और जापान के लोगों को निराश नहीं करेंगी। ट्रम्प ने बताया कि वह 19 मार्च 2026 को व्हाइट हाउस में ताकाइची से मुलाकात करने को बेताब है। यह समर्थन जापान के 8 फरवरी 2026 के चुनाव से ठीक दो दिन पहले आया है।

यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने जापान के किसी नेता को चुनाव में खुलकर समर्थन दिया है।

रंगसंसार

तीन बहनों के सुसाइड पर बोले सोनू सूद

गाजियाबाद में हाल ही में सामने आए तीन बहनों के सामूहिक सुसाइड मामले ने पूरे देश को झकझोर दिया है। घटना तब सामने आई जब तीनों नाबालिग बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। इस दिल दहला देने वाली घटना पर बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने भी प्रतिक्रिया दी है। सोनू ने कहा कि वे लंबे समय से सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर यह बात कहते आए हैं कि 16 साल की उम्र में बच्चों को सोशल मीडिया, फैंटेसी कल्चर और बाहरी प्रभाव से बचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस उम्र में बच्चे बहुत जल्दी भावुक निर्णय लेते हैं और उन्हें मजबूत दिशा, निगरानी और संवाद की ज़रूरत होती है। सोनू ने इस घटना को त्रासदी बताते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता और पारिवारिक संवाद को अनिवार्य बताया। सोशल मीडिया पर उठ रही प्रतिक्रियाओं के बीच कई लोग यह भी कह रहे हैं कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अनियंत्रित सामग्री और विदेशी पॉप कल्चर का प्रभाव किशोरों के मानसिक संतुलन पर बड़ा असर डाल रहा है। घटना की जांच जारी है, जबकि समाज में यह बहस तेज हो गई है कि बच्चों को कैसे सही मार्गदर्शन और सुरक्षित वातावरण दिया जा सकता है।

ईमानदारी से प्रभावित हुए रजनीकांत

सुपरस्टार रजनीकांत अपनी विनम्रता, दयालुता और दरियादिली के लिए जितने जाने जाते हैं, उतने ही उनके प्रशंसक भी उन्हें सम्मान देते हैं। हाल ही में उनका एक और ऐसा ही कदम सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। एक महिला सफाई कर्मचारी की ईमानदारी से प्रभावित होकर रजनीकांत ने उन्हें अपने घर बुलाया और अपनी ओर से सोने की चेन भेंट कर सम्मानित किया। रिपोर्ट्स के अनुसार, महिला कर्मचारी को हाल ही में एक कीमती सामान मिला था, जिसे उन्होंने उसके मालिक को ईमानदारी से वापस कर दिया। इस नेक काम के बारे में पता लगते ही रजनीकांत ने न केवल उनकी तारीफ की बल्कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद देने का निर्णय लिया। जैसे ही इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आईं, वे तुरंत वायरल हो गईं। फैंस ने रजनीकांत की विनम्रता की खूब सराहना की और कहा कि यही गुण उन्हें एक सुपरस्टार से बढ़कर एक महान इंसान बनाते हैं। महिला कर्मचारी भी इस सम्मान से अभिभूत नजर आईं और उन्होंने कहा कि उनके जीवन में यह पल हमेशा खास रहेगा। रजनीकांत का यह कदम एक बार फिर साबित करता है कि वह सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन में भी पृथ्वी से जुड़े और उदार दिल वाले व्यक्ति हैं।

तृप्ति का ग्लैमरस फोटोशूट वायरल

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी बीते कुछ वर्षों में अपनी शानदार अदाकारी और स्क्रीन प्रेजेंस के चलते इंडस्ट्री की उभरती हुई सितारों की सूची में शुमार हो चुकी हैं। फिल्म ‟कलाज् और ‟एनिमलज् के बाद तृप्ति को नई पहचान मिली और उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। इसी बीच वह अपनी आगामी फिल्म ‟ओ रोमियोज् को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें वह पहली बार अभिनेता शाहिद कपूर के साथ दिखाई देंगी। फिल्म से जुड़ी उम्मीदों और उत्साह के बीच तृप्ति ने हाल ही में एक ग्लैमरस फोटोशूट करवाया जिसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा कीं। जैसे ही तस्वीरें सामने आईं, फैंस ने कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफों की बौछार कर दी। तृप्ति के आत्मविश्वास भरे लुक और स्टाइल ने सभी का ध्यान खींचा और कई यूजर्स ने उन्हें ‟नेक्स्ट बिग थिंगज् तक कहा। फोटोशूट के बाद अब फैंस की उत्सुकता फिल्म ‟ओ रोमियोज् को लेकर और बढ़ गई है। फिल्म में तृप्ति और शाहिद की जोड़ी को लेकर काफी चर्चा है और माना जा रहा है कि यह उनके करियर का एक और महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।

बॉलीवुड में बदलाव पर जीनत अमान ने उठाए सवाल

हाल ही में इंस्टाग्राम पर भारतीय सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री जीनत अमान ने 1970 के दशक की फिल्म तीसरी आंख का एक खास सीन पोस्ट किया, जिसमें उनका किरदार बरखा काफी आक्रामक है और वह शरारती अंदाज में धर्मेंद्र के किरदार अशोक भोला का पीछा करती दिखती है। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, पुरानी फिल्मों में सीन दोबारा देखना हमेशा एक अनोखा और मजेदार अनुभव होता है। कभी पता नहीं चलता है कि कौन सा सीन दिल को छू लेगा या फिर सोचने पर मजबूर कर देगा। अभिनेत्री ने आगे बताया कि उन्होंने कुछ हफ्ते पहले फिल्म दोस्ताना का एक क्लिप शेयर किया था, जिसमें अमिताभ बच्चन का किरदार इंस्पेक्टर विजय किसी महिला को छेड़ता और स्लट-शेमिंग करता नजर आता है। अब तीसरी आंख का सीन शेयर कर उन्होंने पूछा कि क्या सिर्फ दो सालों में हिंदी सिनेमा में हीरोइनों की भूमिका इतनी तेजी से बदल गई?

जीनत ने लिखा, फिल्म दोस्ताना में पुरुष किरदार आक्रामक था, जबकि तीसरी आंख में महिला का किरदार बरखा आक्रामक है और पुरुष का किरदार अनिच्छुक शिकार बनता है। यह एक तरह का जेंडर फ्लिप है। दोस्ताना का सीन गुस्सा दिलाता है, जबकि यह सीन मजेदार लगता है, क्योंकि पारंपरिक भूमिकाएं उलट गई हैं। अभिनेत्री ने बाद में ये साफ किया कि वह बरखा के इस व्यवहार का समर्थन नहीं करती, ठीक वैसे ही जैसे दोस्ताना में इंस्पेक्टर विजय के व्यवहार का समर्थन नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा, बॉलीवुड ने कई बार मस्ती और शरारत के नाम पर जुनून और दीवानगी को बढ़ावा दिया। उन्होंने असल प्यार दिखाने की बजाय जुनूनी रोमांस को महिमामंडित किया गया। मैंने भी इस तरह के रोमांस के विचार को फैलाने में भूमिका निभाई है। अब मैं इसे ठीक करने की छोटी कोशिश कर रही हूं। उन्होंने जोर देते हुए कहा, रिश्ते में सहमति होनी बेहद जरूरी है और सम्मान दोनों तरफ से होना चाहिए। मैंने यह बात बड़ी मुश्किल तरीके से सीखी है। इस सीन पर आपकी टिप्पणियों का बेसब्री से इंतजार है। मुझे इसे पाकर बहुत खुशी हुई, खासकर इसलिए क्योंकि इसमें मेरे प्यारे को-स्टार धर्मजी हैं, जिनके साथ मेरी सिर्फ प्यारी यादें हैं। बता दें कि जीनत अमान अक्सर अपनी पुरानी फिल्मों के सीन्स सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं और फैंस से हिंदी सिनेमा में आए बदलावों पर बात करती हैं।

चंद्रिका दीक्षित फिर सुर्खियों में

वड़ा पाव गर्लज् और ‟बिग बॉस ओटीटी 3ज् फेम चंद्रिका दीक्षित एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि इस बार वजह उनका कोई प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि उनकी पर्सनल लाइफ में चल रहा विवाद है। हाल ही में चंद्रिका ने अपने पति युगम गेरा पर बेवफाई के गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद दोनों के रिश्ते पर सार्वजनिक रूप से चर्चा तेज हो गई। इस विवाद के बीच चंद्रिका का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह एक नए लड़के के काफी करीब नजर आईं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों ने कयास लगाना शुरू कर दिया कि क्या उनका रिश्ता किसी नई दिशा में जा रहा है। इसी बीच चंद्रिका ने उसी लड़के के साथ एक और वीडियो शेयर किया, जिसमें वह उनकी मांग भरता हुआ दिखाई देता है। इस वीडियो ने इंटरनेट पर हंगामा मचा दिया और फैन्स चकित रह गए। कई लोगों ने इसे एक शॉकिंग स्टंट बताया, जबकि कुछ ने इसे चंद्रिका के निजी निर्णय का हिस्सा कहा। इस पूरे घटनाक्रम के बाद चंद्रिका के पति युगम गेरा भी सामने आए। उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें वह चंद्रिका को चेतावनी देते हुए नजर आए। युगम ने कहा कि उन्हें इस तरह के व्यवहार पर आपत्ति है और अगर यह जारी रहा तो वह आगे सख्त कदम उठा सकते हैं। चंद्रिका और युगम के बीच यह तनाव अब सोशल मीडिया पर एक बड़ा विवाद बन गया है।

कुछ लोग मुझे एक्टिंग छोड़ने के लिए कर रहे मजबूर - पायल राजपूत

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की उभरती अभिनेत्री पायल राजपूत का कहना है कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह पीछे हटने वाली नहीं हैं। पायल राजपूत ने एक बार फिर अपने संघर्ष, दृढ़ता और मजबूत इरादों को खुलकर रखा है। पायल का कहना है कि कठिन समय ने भले ही उन्हें हिलाया हो, लेकिन तोड़ा नहीं। पायल ने एक्स पर लिखते हुए कहा, ‟वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं। कई बार मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे रुक जाना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों की अपनी कड़ी मेहनत को याद करती हूं। तब मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी।ज् उनका यह बयान उन सभी कलाकारों के दिल से जुड़ता है, जो संघर्ष के दौर से गुजर रहे हैं।

नेपोटिज्म और फेवरेटिज्म जैसे मुद्दों पर पायल पहले भी बेबाक रुख अपनाती रही हैं। उन्होंने अपने पिछले पोस्ट में लिखा था कि एक्टर बनना सबसे कठिन करियर में से एक है, क्योंकि यहां हर दिन अनिश्चितता से भरा होता है। उनके अनुसार अक्सर टैलेंट के ऊपर बड़े सरनेम, मजबूत कनेक्शन और पावरफुल एजेंट्स हावी हो जाते हैं।

दैनिक पंचांग

9 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्न	लग्नारंभ समय
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.53 बजे से
चंद्र	तुला में	मीन	08.26 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.56 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.36 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.35 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.48 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.04 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.16 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.27 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		वृश्चिक	00.41 ब.से
		धनु	02.57 बजे से
		मकर	05.03 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 40 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण
तिथि अष्टमी अहोरात्र।
नक्षत्र विशाखा अहोरात्र।
योग वृद्धि 00.52 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 18.13 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 21.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 14°44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872615
जूलियन दिन 2461080.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना साबान
तारीख 20
विशेष सीताष्टमी, जानकी जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ©Jagrutidaur.com, Bangalore

संसद पर भारी पड़े राहुल गांधी, अब पप्पू नहीं रहे?

संसद के बजट सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति के अभिभाषण से हुई। सरकार ने रविवार के दिन ऐतिहासिक बजट पेश किया। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर राहुल गांधी सत्ता पक्ष के ऊपर भारी पड़ रहे हैं। तमाम प्रयासों के बाद भी सदन की कार्यवाही नहीं चल पा रही है। पूर्व सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवड़े की आत्मकथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के ऊपर भारी पड़ रही है। सरकार राहुल की आवाज को दबाना चाहती है। राहुल आवाज दबाने के स्थान पर और मुखर हो रहे हैं। 2 दिन से लोकसभा में हंगामा बरपा हुआ है। दूसरे दिन प्रधानमंत्री, गृहमंत्री सदन में नहीं दिखे। दूसरे दिन प्रश्नोत्तर काल में लोकसभा के अध्यक्ष आए। उसके बाद उन्होंने तीन बार सभासदों को अध्यक्ष की आसंदी पर भेजा। इसको लेकर लोकसभा अध्यक्ष बिरला भी चर्चाओं में हैं।

झूठा और अहंकारी चुनाव आयोग?

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इन दिनों दिल्ली में डेरा डाला हुआ है। केंद्रीय चुनाव आयोग से मिलने के लिए उनके कार्यालय पहुंची। वह अपने साथ मृत बीएलओ के परिवार जनों को लेकर आई, एसआईआर में जिन जिन्दा लोगों के नाम कटे थे। उन्हें भी साथ लेकर आई थी। चुनाव आयोग से बात करने के बाद उन्होंने कहा चुनाव आयोग जैसा झूठा-अहंकारी चुनाव आयुक्त इसके पूर्व कभी नहीं देखा।

इच्छाशक्ति का अभाव, सफलता में बाधा

जीवन शैली

किसी भी कार्य को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति बेहद जरूरी है। मगर बदलते वक्त के साथ खासकर बच्चों और युवाओं में इच्छाशक्ति के अभाव का दायरा भी बढ़ रहा है, जो सफलता के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। यह स्थिति टालमटोल, आलस्य और प्रलोभनों में फंसाकर लक्ष्य से दूर कर देती है। इच्छाशक्ति के अभाव का अर्थ है- मानसिक दृढ़ता या प्रतिबद्धता में कमी। कई बार असफलता के डर और स्पष्ट लक्ष्य न होने के कारण भी यह स्थिति पैदा होती है। जब किसी व्यक्ति की इच्छाशक्ति मजबूत होती है, तो वह विपरीत परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य पर टिका रहता है और यही सफलता की कुंजी है।

सकारात्मक दृष्टिकोण

कई बार व्यक्ति ऐसे लक्ष्य निर्धारित कर देता है, जिन्हें मौजूदा परिस्थितियों में हासिल कर पाना कठिन होता है। ऐसे में वह हताश और हतोत्साहित होकर प्रयास बीच में ही छोड़ देता है। उसके भीतर आज का काम कल पर छोड़ने की प्रवृत्ति पैदा होने लगती है और इच्छाशक्ति भी धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगती है। ऐसे में लक्ष्य तय करते वक्त व्यावहारिकता के पक्ष को ध्यान में रखना जरूरी है। अगर कहीं हताशा का भाव पैदा होने लगे, तो लक्ष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। इससे आत्म-नियंत्रण में मदद मिलती है, जो इच्छाशक्ति को कमजोर होने से बचाता है।

असफलता का भय

ऐसी परिस्थितियां भी आती हैं, जब व्यक्ति को असफलता का डर सताने लगता है। ऐसे में जरूरी है कि असफलता के बारे में सोचे ही नहीं और सिर्फ अपनी कामयाबी पर ही ध्यान केंद्रित किया जाए। मन में यह दृढ़ विश्वास बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है कि सफलता हर हाल में हासिल होगी। यही आत्मविश्वास इच्छाशक्ति को और मजबूत बनाता है, जिससे मन में पनपने वाले अनचाहे विचारों, भावनाओं और आवेग को नियंत्रित करने की क्षमता का सृजन होता है। कामयाबी पाने के लिए दमदार इच्छाशक्ति के साथ ही सुनियोजित तरीके से बनाई गई रणनीतियों की भी अहम भूमिका होती है, जो हमें मंजिल की राह पर अडिग रहने में मदद करती हैं।

> *इच्छाशक्ति मस्तिष्क और शरीर दोनों की प्रतिक्रिया है। यह चुनौतियों का सामना करने के लिए ऊर्जा और सहनशक्ति देती है, असफलताओं के बाद डटे रहने की क्षमता प्रदान करती है।*

चुनौतियों का सामना

इच्छाशक्ति मस्तिष्क और शरीर दोनों की प्रतिक्रिया है। यह चुनौतियों का सामना करने के लिए ऊर्जा और सहनशक्ति देती है, असफलताओं के बावजूद डटे रहने की क्षमता प्रदान करती है और संघर्ष या तनाव को सहन करने की शक्ति देती है। वैसे इच्छाशक्ति हर व्यक्ति के भीतर होती है, मगर जरूरत उसे सचेतन अवस्था में लाने की होती है। विभिन्न शोधों से पता चलता है कि अच्छी आदतें हमारी इच्छाशक्ति को मजबूत करती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि छोटी-छोटी आदतें आत्म-अनुशासन और आत्म-नियंत्रण की क्षमता विकसित करती हैं, जिसका प्रभाव हमारे विचारों और व्यवहार पर भी पड़ता है। सफलता की कल्पना मात्र से मन में नकारात्मक विचारों का सृजन रुक जाता है, जिससे हम नई ऊर्जा के साथ लक्ष्य हासिल करने की राह पर चल पड़ते हैं।

स्वाद खास, सेहत दुरुस्त

रसोई

आलू कुलचा

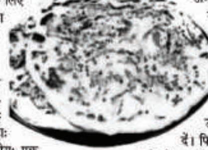

कई बार बच्चे कुछ चटपटा खाने की जिद करते हैं, तो उनके लिए घर पर आलू कुलचा बनाया जा सकता है। इसे परांठे की तरह ही बनाया जाता है, लेकिन इसके लिए विधि और सामग्री थोड़ी अलग होती है। इसके लिए आटे की जगह मैदे का प्रयोग किया जाता है और इसे नरम बनाने के लिए दही और बेकिंग सोडा का इस्तेमाल किया जाता है।

सामग्री

मैदाः 400 ग्राम, दहीः चार चम्मच, आलूः 300 ग्राम, बेकिंग सोडाः छोटा आधा चम्मच, जीराः एक चम्मच, हरी मिर्चः दो, अदरकः एक इंच, अमचूर पाउडरः आधा चम्मच, धनिया पाउडरः एक चम्मच, गरम मसालाः एक चम्मच, हरा धनियाः तीन चम्मच, नमकः स्वादानुसार।

विधि

एक थाली में मैदा लें और उसमें थोड़ा सा दही, बेकिंग सोडा, नमक और तेल डालकर हाथ से अच्छी तरह मिलाएं। फिर उसमें जरूरत के अनुसार गुनगुना पानी डालकर ठीक से गूंथ लें। गुंथे हुए आटे को हाथ से चारों ओर तेल लगाएं और साफ कपड़े से ढककर दो-तीन घंटे के लिए छोड़ दें। इस बीच आलू को उबाल लें और थोड़ा ठंडा होने पर उसका छिलका उतारकर उसे हाथ से अच्छी तरह मसल लें। फिर इसमें नमक, हरी मिर्च-अदरक का पेस्ट, धनिया पाउडर, अमचूर पाउडर, गरम मसाला और बारीक कटा हुआ हरा धनिया मिला दें। अब गुंथे हुए आटे की कप के आकार में लोइयां बनाकर उनके भीतर आलू का मिश्रण भर दें। फिर इन पर सूखा मैदा लगाकर इन्हें बेलन की मदद से धीरे-धीरे गोलाकार चपटा कर लें। इस दौरान ऊपर से अजवाइन भी फैला दें। ध्यान रहे कि चपटा करते समय आलू का मिश्रण बाहर न निकले। अब गरम तवे पर हल्का सा तेल लगाकर इन्हें एक-एक करके दोनों तरफ से सेंक लें। इस दौरान दोनों तरफ चम्मच की मदद से उन पर देसी घी लगा दें। सारे कुलचे इसी तरह बनाएं और इन्हें गरमा-गरमा, दही, चटनी या अचार के साथ परोसें।

करेले का भर्ता

करेले की सब्जी को सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है, लेकिन कड़वाहट की वजह से कुछ लोगों को यह पसंद नहीं आता। ऐसे में करेले का भर्ता एक बेहतर विकल्प है। विभिन्न मसालों के मिश्रण से इसका जायका भी बेहतरीन हो जाता है। इसमें विटामिन, फाइबर और एंटीआक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं, जिससे यह स्वास्थ्य वर्द्धक होता है।

सामग्री

करेलाः 500 ग्राम, प्याजः दो, लहसुनः 5-6 कलियां, हरी मिर्चः दो, टमाटरः तीन, जीराः एक चम्मच, राईः आधा चम्मच, हल्दी पाउडरः एक चम्मच, गरम मसालाः एक चम्मच, अमचूर पाउडरः आधा चम्मच, नमकः स्वादानुसार।

विधि

सबसे पहले करेले को धो लें और बीच से चीरा लगाकर चम्मच से बीज निकाल दें। इसके बाद एक बर्तन में पानी गर्म करें और उबाल आने पर करेले इसमें डाल दें, साथ ही हल्दी और थोड़ा सा नमक भी मिला दें। पांच-सात मिनट तक इसे उबलने दें। ऐसा करने से करेले की कड़वाहट कम हो जाएगी। इसके बाद करेले को निकालकर उसका पानी सूखा लें। फिर करेले को सीक में लगाकर आग पर दो-तीन मिनट तक भूनें। अब कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें राई और जीरा डालकर तड़काएं। इसके बाद कटा हुआ प्याज, लहसुन और हरी मिर्च डालकर चम्मच से चलाते हुए भूनें। प्याज में हल्का लाल रंग आने पर उसमें कटे हुए टमाटर डाल दें। फिर कड़ाही में हल्दी, धनिया पाउडर, गरम मसाला, अमचूर पाउडर, नमक और हल्का सा पानी डाल दें। जब गाढ़ी तरी बन जाए तो करेले डालकर अच्छी तरह मिला लें और ढक्कन रखकर पांच-सात मिनट तक पकाएं। जब करेले नरम हो जाएं, तो एक बड़े चम्मच की मदद से उन्हें अच्छी तरह मसल दें। फिर धीमी आंच पर दो-तीन मिनट तक पकाएं और अंत में इसमें बारीक कटा हुआ हरा धनिया मिला दें। इसे रोटी, ब्रेड या चावल के साथ परोसा जा सकता है।

मस्तिष्क में गांठ जानलेवा खतरा

सेहत

शरीर में कहीं भी गांठ बन जाए, तो वह चिंता पैदा करती है। मगर मस्तिष्क में ट्यूमर को बेहद गंभीर माना जाता है। इसका उपचार जटिल है। कभी-कभी यह गांठ जानलेवा भी साबित होती है। मस्तिष्क की कोशिकाओं में किसी एक जगह असामान्य वृद्धि ट्यूमर के रूप में सामने आती है। इस गांठ में कैंसर हो सकता है और नहीं भी। आम तौर पर इसका उपचार लंबा और खर्चीला होता है, लेकिन चिकित्सकों के सामने एक ही लक्ष्य होता है कि मरीज के ट्यूमर को किसी भी तरह से हटा दिया जाए। यों यह गांठ बच्चों या बड़ों किसी में भी बन सकती है। जब यह बड़ी हो जाती है, तो इसका असर पूरे स्वास्थ्य और जीवनचर्या पर पड़ता है।

गांठ के खतरे

मस्तिष्क की संरचना बेहद जटिल होती है। यही वह हिस्सा है जहां से पूरे शरीर का संचालन होता है। मस्तिष्क के तंत्रिका तंत्र की अहम भूमिका मानी जाती है। ऐसे में कहीं भी कोशिकाओं में असामान्य वृद्धि हो जाए, तो वह धीरे-धीरे गांठ का रूप लेने लगती है। यह कोशिकाओं पर दबाव बनाती है। छोटे आकार से जब यह बड़ी हो जाती है, तो इससे मरीज की जान खतरे में पड़ जाती है। सामान्य गांठ में कैंसर पनपते देर नहीं लगती। मगर जिसमें पाया जाता है, वह तेजी से बढ़ता है। यह मस्तिष्क की संरचना बदलने के साथ उस पर दबाव बनाने लगता है। समय पर उपचार न हो, तो मरीज की जान चली जाती है। मस्तिष्क में ट्यूमर दो प्रकार के होते हैं। एक प्राथमिक जो रीढ़ की हड्डी तक चला जाता है। दूसरा 'मेटास्टेटिक ब्रेन ट्यूमर' जो तेजी से बढ़ता है।

लक्षणों की पहचान

अगर किसी के मस्तिष्क में गांठ बन गई है, तो लक्षणों से इसका पता चलता है। ट्यूमर सिर के किस हिस्से में है, उससे मरीजों में अलग-अलग लक्षण दिख सकते हैं। उदाहरण के लिए सिर के पिछले हिस्से में गांठ बन गई हो, तो मरीज को चलने-फिरने और संतुलन बनाने में दिक्कत हो सकती है। अगर किसी की आंखों के आसपास ट्यूमर है, तो उसकी दृष्टि पर असर पड़ सकता है। गांठ के आकार और उसके बढ़ने की गति से भी कुछ लक्षण दिखने लगते हैं। जैसे सिर में अक्सर दर्द होना। मरीज के सुनने की क्षमता कम होने लगती है। कई बार उसे चक्कर भी आते हैं। शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी या सुन्नपन आना भी लक्षण है। इसके साथ ही उल्टी होना, जी मिचलाना, याददाश्त कमजोर होना और बोलने में दिक्कत होना उन लक्षणों में हैं, जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

रोकथाम की राह

मस्तिष्क में ट्यूमर को रोकने का कोई उपाय नहीं है। अगर किसी को यह गांठ हो गई है, तो इसमें उसका कोई हाथ नहीं। यह किसी को भी हो सकती है। अगर शुरुआती दौर में जांच से पता चल जाए और इसका आकार छोटा हो, तो इसके सफल उपचार की संभावना रहती है। मगर गांठ की रोकथाम और निदान एक जटिल प्रक्रिया है। ऐसे में लक्षणों के आधार पर इलाज शुरू होता है। एमआरआइ और सीटी स्कैन से गांठ का पता लगाया जाता है। जरूरत पड़ने पर न्यूरो सर्जन 'बायोप्सी' कर सकते हैं। इसमें सुई की मदद से उत्तक का नमूना लिया जाता है। आम तौर पर उपचार गांठ के स्थान और आकार पर निर्भर करता है। मरीज के समग्र स्वास्थ्य के साथ उसकी उम्र पर भी गौर किया जाता है। जिस गांठ में कैंसर नहीं होता, उसे शल्य क्रिया से आसानी से हटा दिया जाता है।

मरीज का आहार

ऐसे मरीजों को हरी सब्जियां, अंडे-मछलियां, दालें और फल दिए जाने चाहिए। उन्हें 'ब्राउन राइस', ओट्स और गेहूं की रोटी दी जा सकती है। मरीजों को पर्याप्त पानी और अन्य तरल पदार्थ देना अच्छा होता है। फलों का रस और नारियल पानी दिया जा सकता है। तैलीय पदार्थों से परहेज जरूरी है। मरीजों को चीनी, सोडा और मांस से बचना चाहिए। हल्दी और गिलोय का इस्तेमाल भी अच्छा माना गया है।

(यह लेख सिर्फ सामान्य जानकारी और जागरूकता के लिए है। उपचार या स्वास्थ्य संबंधी सलाह के लिए विशेषज्ञ की मदद लें।)

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिले अमेरिकी राजदूत गोर

मुंबई। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा है कि क्रिकेट के विकास को लेकर उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अध्यक्ष जय शाह से मुलाकात सफल रही है। गोर ने भारत और अमेरिका के बीच हुए पहले मैच के दौरान वानखेड़े स्टेडियम में जय शाह से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद अमेरिकी राजदूत ने सोशल मीडिया में लिखा, टी20 विश्व कप में मुझे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिलकर खुशी हुई है। हमने बातचीत में क्रिकेट के तेजी से विकास पर बात की। गोर ने इस दौरान रिलायंस समूह के प्रमुख मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी से भी मुलाकात की।

भारतीय टीम ग्रुप ए में पहले, वहीं पाक दूसरे नंबर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ 29 रनों से मिली जीत के साथ ही अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंच गयी हैं। वहीं पाकिस्तान टीम को अपने पहले ही मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ मुश्किल से जीत मिली। फहीम अशरफ की पारी से टीम हालांकि अंतिम ओवर में तीन विकेट से जीती। इस जीत के साथ पाकिस्तान के ग्रुप ए में दो अंक हो गए हैं। टीम का नेट रन रेट प्लस 0.240 है। वहीं भारतीय टीम ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की 84 रनों की शानदार पारी के बाद कसी हुई गेंदबाजों की सहायता से विश्वप के अपने पहले ही मैच में अमेरिका को 29 रन से हराया।

सूर्यकुमार विश्वकप में तेजी से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हुए

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टी20 विश्वकप के अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ खेली अपनी 84 रनों की नाबाद पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। सूर्यकुमार ने 84 रनों की अपनी इस पारी के साथ टी20 विश्वकप कप में अपने 500 रन पूरे किये हैं। अब उनके नाम इस आईसीसी टूर्नामेंट में 18 पारियों में 564 रन हो गए हैं। इसके साथ ही सूर्यकुमार तेजी से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गये हैं।

बुमराह और अभिषेक बीमार हुए, सुंदर नाबीमिया के खिलाफ वापसी करेंगे : सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा भी बीमार हो गये हैं। टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले से ही बीमार हैं। ऐसे में अभिषेक के बीमार होने से टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। टीम के लिए हालांकि राहत की बात ये है कि स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर फिट हो गये हैं। बुमराह बीमार होने के कारण पहले टी20 में नहीं उतरे थे।

सिफर्ट के अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया

चेन्नई। टिम सिफर्ट के शानदार अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट ग्रुप-डी पहले ही मैच में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 6 विकेट पर 182 रन बनाये थे। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को कीवी टीम ने 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस मैच में कीवी टीम को जीत के लिए खास संघर्ष करना पड़ा। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ही ओवर में मुजीब उर रहमान ने फिन ऐलन को 1 और रचिन रविंद्र को खाता खोले बिन ही लगातार गेंदों पर आउट कर टीम को दबाव में ल दिया। इसके सिफर्ट और फिलिप्स के बीच तीसर विकेट के लिए 74 रन की अहम साझेदारी से टीम संभली। इन दोनों ने दबाव में भी आक्रामक रुख अपनाया। फिलिप्स ने 25 गेंदों में 42 रन बनाए, जिसमें सात चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं सिफर्ट ने 39 गेंदों में अर्धशतक लगाया। उन्होंने 42 गेंदों में 65 रन की पारी खेली, जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल थे। वह मोहम्मद नबी का शिकार बने। अंत में डैरिल मिचेल ने 14 गेंदों में 25 रन और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 8 गेंद में 17 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगान टीम की ओर से बल्लेबाज गुलबदिन नायब ने अर्धशतक लगाया। जिससे अफगानिस्तान की टीम एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। इस मैच में कीवी बल्लेबाजों को अपने अनुसार खेलने का अवसर नहीं मिला। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की टीम ने शुरुआत में ही दो विके खो दिये। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने 27 रन बनाये पर वह इसके बाद लॉकी फर्ग्युसन की धीमी गेंद पर पेवेलियन लौट गये। इसी ओवर में फर्ग्युसन ने इब्राहिम जादरान को अंतिम गेंद पर आउट कर दिया। जादरान ने 10 रन बनाये थे। इसके बाद गुलबदिन नायब ने 63 रन और सेदिकुल्लाह अटल ने 29 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। गुलबदिन ने 29 गेंदों में ही 50 रन बना दिये। अंतिम ओवरों में गुलबदिन ने 17 गेंदों में 33 रन बनाकर स्कोर को 150 के ऊपर पहुंचाया। बाद अजमतुल्लाह उमरजई ने 14 रन बनाकर फगानिस्तान को 180 रनों के उपर पहुंचाया।न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने 40 रन देकर 2 विकेट लिए। न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फर्ग्युसन ने दो विकेट जबकि मैट हेनरी, जेकब डफी और रचिन रविंद्र को एक-एक विकेट मिला।

फहीम अशरफ बने टी20 विश्व कप 2026 के पहले प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 के पहले मुकाबले में पाकिस्तान ने नीदरलैंड को तीन विकेट से हराकर टूर्नामेंट की विजयी शुरुआत की। यह जीत हालांकि पाकिस्तान के लिए आसान नहीं थी। 148 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने शुरुआत अच्छी की और दस ओवर में दो विकेट पर 90 रन बना लिए थे, लेकिन मध्यक्रम के लगातार विफल होने से मैच बेहद रोमांचक हो गया। 16.1 ओवर में पाकिस्तान का स्कोर सात विकेट पर 114 रन था और उसे जीत के लिए 34 रन चाहिए थे। मैदान पर संकट की इस घड़ी में फहीम अशरफ ने एक बार फिर साबित किया कि वे बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं। 11 गेंदों पर नाबाद 29 रन की उनकी आतिशी पारी ने मैच का पूरा रुख बदल दिया। 19वें ओवर में लोगान वान बीक की गेंद पर उन्होंने तीन लंबे छक्के और एक चौका लगाकर 24 रन बटोरे, जिससे मैच पूरी तरह पाकिस्तान की ओर झुक गया। आखिरी ओवर की तीसरी गेंद पर मारा गया फहीम का चौका पाकिस्तान को तीन गेंद शेष रहते जीत दिला गया। उनकी इसी दमदार पारी के लिए उन्हें टी20 विश्व कप 2026 का पहला प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

फहीम को 19वें ओवर में बड़ा जीवनदान भी मिला, जब ओडाउड ने उनका कैच तब छोड़ा जब वे केवल सात रन पर थे। यह गलती नीदरलैंड को मैच गंवाने की सबसे बड़ी वजह साबित हुई। पाकिस्तान की ओर से साहिबजादा फरहान ने 31 गेंद पर 47 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि सईम अयूब ने 13 गेंद में 24 रन बनाए। कप्तान बाबर आजम इस मैच में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे और 18 गेंद पर केवल 15 रन बनाकर आउट हो गए।

नीदरलैंड की ओर से पॉल वान मीकेरेन ने शानदार गेंदबाजी की और फरहान व उस्मान खान को एक ही ओवर में आउट किया। अगली ही ओवर में बाबर का विकेट गिरा और पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ती गईं। आखिरी पांच ओवर में 37 रन और सात विकेट गिर चुके थे, लेकिन फहीम अशरफ ने दबाव झेलते हुए टीम को जीत की राह पर लौटा दिया।

सूर्यकुमार ने अमेरिक के खिलाफ मैच में सफलता का श्रेय गंभीर को दिया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम को अंडर-19 विश्वकप के पहले ही मुकाबले में कप्तानी पारी खेलकर जीत दिलाने वाले सूर्यकुमार यादव ने इसका श्रेय कोच गौतम गंभीर की एक सलाह को दिया है। सूर्या ने कहा कि एक समय जब आधी टीम 77 रनों पर पेवेलियन लौट गयी थी तब उनपर काफी अधिक दबाव था पर ब्रेक के दौरान कोच कोच ने उनसे अंत तक टिके रहने को कहा था। कोच का मानना था कि अगर वह अंत तक खेलेंगे तो रन बन जाएंगे। सूर्यकुमार ने इस मैच में 49 गेंदों में 10 चौके और 4 छक्के लगाकर नाबाद 84 रन बनाए। इससे भारतीय टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन बनाकर 29 रन से जीत हासिल की। सूर्यकुमार ने बताया कि गंभीर ने उनसे कहा था कि वह अंत तक तक बल्लेबाजी करें क्योंकि वह जमने के बाद बड़े शॉट लगा सकते हैं।सूर्यकुमार ने कहा, मुझे बल्लेबाज के समय अंदाजा हो गय था कि इस विकेट पर 140 रन ही काफी हैं। मुझे इस प्रकार के विकेटों पर खेलने आ अनुभव है। इसलिए मेरा मानना था कि मैं यहां बड़ी पारी खेल सकता हूं। सूर्यकुमार छठे ओवर में बल्लेबाजी करने आए थे और शुरुआत में उन्होंने धीमी बल्लेबाजी करते हुए केवल 7 रन बनाये।

बाद में उन्होंने तेजी से खेलते हुए कमी पूरी कर दी। सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। अंतिम ओवर में उन्हों चौके, छक्के लगाकर टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचा दिया।

आईसीसी ने भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर अड़े पीसीबी को फटकार लगायी

'फोर्स मेज्योर' प्रावधान के तहत नहीं खेलने के कारण बताने कहा

ICC

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी20 विश्वकप में भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के बहिष्कार की पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीसी) की घोष्णा पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है। आईसीसी ने पीसीबी से पूछा है कि उसने 'फोर्स मेज्योर' प्रावधान के तहत मैच के बहिष्कार करने का जो फैसला लिया है वह किन आधारों पर लिया है, ये उसे बताना होगा।

वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी ने कहा थ कि पाकिस्तान सरकार के निर्देशों के कारण वह मैच नहीं खेल सकती। वहीं आईसीसी ने अभी तक इस मामले में उम्मीद नहीं छोड़ी है। दोनो के बीच अभी बातचीत जारी है जिससे इस मामले का हल निकल सकता है। आईसीसी भी इस मामले को बातचीत से सुलझान चाहती है। पाक बोर्ड जिस फोर्स मेज्योर प्रावधान के तरत मैच नहीं खेलने की बात कर रहा। वह अब अमल में आता है जब अप्रत्याशित हालात होते है। तब वह सरकार के आदेश का हवाला देकर फोर्स मेज्योर प्रावधान के तहत खेलने से मना कर सकता है। आईसीसी के के मेंबर्स पार्टिसिपेशन एग्रीमेंट (एमपीए) के अनुसार, यदि कोई बोर्ड फोर्स मेज्योर क्लाज का हवाला देता है, तो उसे यह भी साबित करना होता है कि उसने स्थिति को संभालने के लिए क्या प्रयास किए। आईसीससी ने पाक बोर्ड से ये भी पूछा है किउसने मैच आयोजित करने के लिए कौन-कौन से वैकल्पिक उपाय अपनाए, साथ ही सबूत भी मांगे हैं। आईसीसी ने पीसीबी को चेताय है कि यदि यह मैच नहीं होता है, तो इससे खेल, को व्यवसाहिक और गवर्नेंस स्तर पर गंभीर नुकसान हो सकता है। हालांकि आईसीसी ने साफ किया है कि वह टकराव नहीं चाहता, लेकिन उसके संविधान के तहत गंभीर उल्लंघन की स्थिति में किसी सदस्य को निलंबित या बाहर करने का अधिकार उसके पास है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत-पाक मैच के बहिष्कार की घोषणा करते हुए कहा कि वह ये फैसला बांग्लादेश बोर्ड के समर्थन के लिए किया है। इससे पहले आईसीसी ने भारत में खेलने से इंकार करने के लिए । बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। पीसीबी का मानना है कि उसका कानूनी पक्ष मजबूत है। उसने साल 2014 के विवाद को उदाहरण के तौर पर पेश किया है, जिसमें भारत सरकार की अनुमति न मिलने के कारण द्विपक्षीय सीरीज नहीं हो पाई थी।

टी20 वर्ल्ड कप विवाद- श्रीलंका के अनुरोध पर भारत से मैच बहिष्कार पर पुनर्विचार करेगा पाकिस्तान

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने संकेत दिया है कि वह टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर पुनर्विचार करने के लिए अपनी सरकार से बातचीत करेगा। यह कदम श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के उस औपचारिक अनुरोध के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान से कहा है कि भारत से मैच न खेलने के फैसले से सह-मेजबान होने के नाते उन्हें भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा।

गौरतलब है कि पाकिस्तान सरकार ने अपनी टीम को टी20 विश्व कप में भाग लेने की मंजूरी तो दे दी है, लेकिन साथ ही निर्देश दिया है कि टीम भारत के खिलाफ मुकाबले में हिस्सा नहीं लेगी। भारतङ्मपाक मैच आईसीसी के लिए सबसे अधिक राजस्व देने वाला मुकाबला माना जाता है, जो प्रसारकों और आयोजकों के लिए भी बड़े आर्थिक लाभ का स्रोत होता है। पाकिस्तान के इस फैसले ने न सिर्फ टूर्नामेंट की वाणिज्यिक संभावनाओं पर असर डाला है, बल्कि क्रिकेट जगत में भी चिंता बढ़ा दी है। श्रीलंका क्रिकेट ने पीसीबी को ईमेल भेजकर साफ कहा है कि भारत-पाक मैच रद्द होने से उन्हें टिकट बिक्री, प्रसारण अधिकार और आतिथ्य सेवाओं से मिलने वाला बड़ा राजस्व नहीं मिल पाएगा। इसके अलावा टूर्नामेंट की छवि को भी नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को दुनिया भर में करोड़ों दर्शक देखते हैं। श्रीलंका इस टूर्नामेंट का सह-मेजबान है और पाकिस्तान अपने सारे मैच कोलंबो और पाल्लेकल में खेल रहा है, ऐसे में यह निर्णय मेजबान बोर्ड के लिए और भी चुनौतीपूर्ण बन गया है।

पीसीबी से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि पाकिस्तान और श्रीलंका के क्रिकेट और सरकारी स्तर पर हमेशा सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं, इसलिए श्रीलंका क्रिकेट के इस अनुरोध को अनदेखा करना मुश्किल है। सूत्रों ने यह भी पुष्टि की कि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने पीसीबी प्रमुख मोहसिन नक़वी से सीधे संपर्क करके स्थिति की गंभीरता बताई है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में श्रीलंका को पाकिस्तान के समर्थन की आवश्यकता है।

अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना विश्व कप जीतने से भी बड़ा सपना : राशिद खान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान भले ही दुनिया भर में क्रिकेट खेलकर कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हों, लेकिन अपने देश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का उनका सपना आज भी अधूरा है। युद्ध और अस्थिरता से प्रभावित अफगानिस्तान में अब तक एक भी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला आयोजित नहीं हो सका है।

हालात इतने चुनौतीपूर्ण रहे कि टीम को अपने घरेलू मैच विदेशों में खेलने पड़ते हैं। भारत के ग्रेटर नोएडा, देहरादून और लखनऊ से लेकर यूएई के शारजाह और अबूधाबी तक, कई शहर लंबे समय तक अफगानिस्तान टीम के 'घरेलू मैदान' बने रहे। इसके बावजूद राशिद अपने इस सपने को छोड़ने को तैयार नहीं हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 मैच से पहले राशिद भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, +ईमानदारी से कहूं तो यह हमारे लिए विश्व कप से भी बड़ा सपना है। अगर हम अफगानिस्तान में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेल पाते हैं, तो दुनिया देखेगी कि वहां लोग खिलाड़ियों का कितना सम्मान करते हैं और क्रिकेट का कितना आनंद लेते हैं। अपने देश में खेलना किसी सपने से बढ़कर है। राशिद ने बताया कि दुनिया के हर कोने में, खासकर आईपीएल के दौरान, उन्हें अपार प्यार मिलता है, लेकिन घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का अनुभव अद्वितीय होगा। उन्होंने कहा, +भारत में आईपीएल या अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए हमें हमेशा लगा कि लोग अपने सितारों को कितना प्यार देते हैं। हमें भी ढेर सारा स्नेह मिला है, खासकर 2023 विश्व कप में। लेकिन अफगानिस्तान में खेलना एक अलग एहसास देगा। तब दुनिया हमारे देश की खूबसूरती भी देखेगी। राशिद को उम्मीद है कि एक दिन ऐसा माहौल जरूर बनेगा, जब कोई अंतरराष्ट्रीय टीम अफगानिस्तान में सीरीज खेलने पहुंचेगी।राशिद ने अफगानिस्तान की घरेलू क्रिकेट संरचना की कमजोरियों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि देश में छोटे प्रारूप के पर्याप्त मैच न होने की वजह से सीमित ओवरों की टीम चुनना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा, अगर बल्लेबाजी में भी गेंदबाजी की तरह प्रतिस्पर्धा हो जाए, तो हम नई ऊंचाइयों पर पहुंच सकते हैं। असली प्रतिभा घरेलू क्रिकेट से ही निकलती है।

अंत में, राशिद ने अफगानिस्तान महिला क्रिकेट टीम को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते देखने की इच्छा व्यक्त की और कहा कि किसी भी मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात होती है।

आखिरी ओवर में मिली जीत पर फहीम अशरफ का बड़ा बयान, कहा - हम ऐसे हालात के आदी हैं

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के अपने शुरुआती मुकाबले में नीदरलैंड को आखिरी ओवर में हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। इस जीत के नायक बने हरफनमौला खिलाड़ी फहीम अशरफ, जिन्होंने 11 गेंदों में नाबाद 29 रन जड़कर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। खासतौर पर 19वें ओवर में फहीम द्वारा लगाए गए तीन छक्कों और एक चौके ने मैच की दिशा ही बदल दी।

उस ओवर में कुल 24 रन आए जिसने पाकिस्तान की जीत लगभग सुनिश्चित कर दी। मैच के बाद पुरस्कार समारोह में फहीम ने कहा कि वे ऐसी परिस्थितियों के आदी हो चुके हैं। उन्होंने बताया, +हम पिछले एक साल से इसी तरह की क्रिकेट खेल रहे हैं। दिल की धड़कन ऊपर-नीचे होती रहती है, लेकिन हमें भरोसा रहता है कि एक ओवर में जितने भी रन चाहिए हों, बना सकते हैं। फहीम ने यह भी बताया कि वह और शाहीन शाह अफरीदी विकेट बचाकर अंत तक खेलने की रणनीति पर टिके थे। दोनों ने आठवें विकेट के लिए महत्वपूर्ण 34 रनों की नाबाद साझेदारी की।148 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान एक समय मजबूत स्थिति में था, जब 10 ओवर में टीम ने दो विकेट पर 90 रन बना लिए थे। लेकिन इसके बाद विकेटों का लगातार गिरना शुरू हुआ और 16.1 ओवर तक स्कोर सात विकेट पर 114 रन हो गया। टीम को आखिरी दो ओवर में 29 रन चाहिए थे, जिसे फहीम ने अपनी विस्फोटक बैटिंग से आसान बना दिया। कप्तान सलमान आगा ने स्वीकार किया कि टीम ने यह मैच कठिन तरीके से जीता। उन्होंने कहा, +हमें यह मैच मुश्किल तरीके से जीतना पड़ा, लेकिन फहीम को पूरा श्रेय जाता है। हमें पता था कि विपक्षी टीम दबाव बनाएगी।+ वहीं नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने कहा कि उनकी टीम ने जज्बे के साथ खेला, लेकिन अहम मौकों पर चूक गई।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली हैट्रिक रोमारियो शेपर्ड के नाम

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेपर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक अपने नाम कर ली। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में शेपर्ड ने 17वें ओवर में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की। उनके इस शानदार स्पेल ने स्कॉटलैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखेर दी और वेस्टइंडीज को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

रोमारियो शेपर्ड ने बतौर ऑलराउंडर मैच में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए न सिर्फ हैट्रिक ली, बल्कि कुल 5 विकेट झटके। 17वें ओवर में उन्होंने तीन लगातार गेंदों पर मैथ्यू क्रॉस, माइकल लीस्क और ओलिवर डेविडसन को पवेलियन भेजकर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। खास बात यह रही कि इसी ओवर की आखिरी गेंद पर भी उन्होंने एक और विकेट लेकर स्कॉटलैंड पर दबाव को कई गुना बढ़ा दिया।

उनके इस स्पेल ने मुकाबले का रुख वेस्टइंडीज की ओर मोड़ दिया, क्योंकि स्कॉटलैंड की टीम लगातार विकेट गंवाकर बड़े स्कोर की ओर बढ़ ही नहीं पाई। शेपर्ड की गेंदबाजी की लाइन और लेंथ इतनी सटीक रही कि स्कॉटलैंड के बल्लेबाज संभलने का कोई मौका ही नहीं पा सके। उनकी हैट्रिक ओवर न केवल तकनीकी रूप से बेहतरीन रहा, बल्कि मानसिक रूप से भी स्कॉटिश खिलाड़ियों पर भारी पड़ा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में यह पहली हैट्रिक है और इस उपलब्धि के साथ शेपर्ड टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं।

सूर्यकुमार के एक फोन से मुझे टीम में जगह मिलने की बात पता चली : सिराज

मुम्बई। अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्वकप क्रिकेट के पहले ही मैच में शानदार गेंदबाजी करने वाले मोहम्मद सिराज बेहद खुश हैं। सिराज को पहले विश्वकप के लिए शामिल नहीं किया गया था पर हर्षित राणा के चोटिल होकर बाहर होने से उन्हें अंतिम समय पर टीम में जगह मिल गयी। सिराज का कहना है कि वह परिवार के साथ समय बिताने की योजना बना रहे थे तभी उनके पास कप्तान सूर्यकुमार यादव का फोन आता जिससे वह उन्हें तत्काल वापस आकर टीम से जुड़ने को कहते हैं। सिराज ने पहले मैच के बाद खुलासा किया है कि कप्तान के फोन से उन्हें टीम में जगह मिलने की बात पता चली।

सिराज ने इस मैच में 4 ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट लिए। इससे पहले सिराज ने भारत के लिए आखिरी टी20 2024 में खेला था। सिराज ने मैच के बाद कहा, मेर योजना 15 तारीख को रियल मैड्रिड का मैच देखने की थी।

उसके बाद रमजान आने वाला था, इसलिए मैंने उसी हिसाब से योजना बनायी थी पर जो ऊपर वाले ने लिखा है, वही होगा। सिराज ने कहा कि टीम के साथ बैठना एक सपने जैसा लग रहा था क्योंकि उन्हें लगा था कि वह टूर्नामेंट नहीं खेल पाएंगे क्योंकि पिछले एक साल में उन्हें इस प्रारुप में खेलने का अवसर नहीं मिला था। उन्होंने साथ ही कहा, लेकिन भगवान ने मेरी किस्मत बदल दी। कुछ समय पहले मैं अपने परिवार के साथ समय बिता रहा था। मैच से दो दिन पहले अचानक सूर्या भाई का मेरे पास कॉल आया। उन्होंने कहा, 'तैयार हो जाओ और आ जाओ', और मैंने उनसे कहा 'मजाक मत करो'। उन्होंने कहा कि वह सच कह रहे हैं। यह मेरे लिए हैरान करने वाली खबर थी, भगवान ने यह सब लिखा था, कोई इसे बदल नहीं सकता, इससे बड़ा कुछ नहीं है।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में श्री राजेन्द्र दास जी करेंगे गौ कथा एवं गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर कथा

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की

रीवा (कीर्तिप्रभा), बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में 12 से 14 फरवरी तक मलूक पीठाधीश्वर श्री राजेन्द्र दास जी महाराज गौ कथा एवं गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर अपनी अमृतमयी वाणी से कथा करेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आयोजन की तैयारियों के संबंध में बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के प्रशासनिक भवन में आयोजित बैठक में सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्री राजेन्द्र दास जी की कथा से गौ संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती को बल मिलेगा। गौ अभ्यारण्य परिसर में आयोजित होने वाली कथा अप्रतिम व भव्य होगी।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बैठक में निर्देश दिए कि महाराज जी एवं उनके साथ आने वाले संतों के रुकने की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। बैठक व्यवस्था से लेकर पार्किंग तथा प्रसाद वितरण आदि की व्यवस्थाओं सहित प्रचार-प्रसार समिति आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। श्री शुक्ल ने कहा कि इस कथा में सभी की सक्रिय भागीदारी रहे। कार्यक्रम स्थल में डॉक्टर्स की टीम की उपलब्धता एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं। आयोजन स्थल में बनने वाला प्रसाद में प्राकृतिक खेती से उत्पादित अन्न व सब्जी का ही उपयोग किया जायेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि आयोजन के संबंध में जिन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है उसका वह सजगता से निर्वहन करें। उल्लेखनीय है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में 12 से 14 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक महाराज श्री की कथा होगी।

गौवंश वन्य विहार में द्वितीय चरण में दुधारू गौवंश संरक्षित किये जायेंगे -

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बैठक में बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में द्वितीय चरण में दुधारू गौवंश के संरक्षण हेतु बनाये जाने वाले शेड व अन्य निर्माण कार्यों की कार्य योजना का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि गौवंश वन्य विहार से लगी 10 एकड़ भूमि में दुधारू गाय, बछड़ा व गर्भवती गायों के लिए शेड सहित भूसा शेड का निर्माण कार्य प्रस्तावित है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में बेसहारा गौवंश के लिए संरक्षण केन्द्र स्थापित है। यहां प्राकृतिक खेती भी हो रही है। आने वाले समय में शेष भूमि में दुधारू गौवंश का संरक्षण भी किया जायेगा। इस प्रकार इस गौवंश वन्य विहार में दोनों मॉडल हो जायेंगे। श्री शुक्ल ने कहा कि निर्माणाधीन सड़क मार्ग के दोनों तरफ पीपल का पौधरोपण किया जायेगा। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को व्यवस्थायें करने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों की लंबित राशि का भुगतान संबंधितों को शीघ्र करें। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रात्रि विश्राम गौवंश वन्य विहार में किया। प्रातः भ्रमण के दौरान उन्होंने प्राकृतिक खेती तथा गौसंरक्षण स्थल सहित कथा स्थल का अवलोकन किया। श्री शुक्ल ने भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना की तथा गौपूजन कर गाय को आहार खिलाया। श्री शुक्ल को प्राकृतिक खेती से पैदा हुई सब्जियाँ अवलोकन के लिए सौंपी गयी।

अब बोर्ड परीक्षा की तरह होंगे 9वीं-11वीं के पेपर

थाने में रहेंगे प्रश्नपत्र, 60 मिनट पहले निकलेगा बंडल

इस बार मप्र के सरकारी स्कूलों की नौवीं व 11वीं की वार्षिक परीक्षाओं के संचालन से लेकर मूल्यांकन में कई एहतियात बरती जा रहे हैं। परीक्षाएं बोर्ड पैटर्न पर ली जाएंगी। इन परीक्षाओं के प्रश्नपत्र भी 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा की तरह ही थानों में रखे गए हैं। साथ ही मूल्यांकन भी माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की अंक योजना के आधार पर बोर्ड परीक्षा की तरह की जाएगी। इसके अलावा इस बार उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन विकासखंड स्तर पर उपकेंद्रों पर कराएं जाएंगे। इन कक्षाओं की परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा तैयार किए गए हैं। सभी जिला शिक्षा अधिकारी और केंद्राध्यक्षों के माध्यम से स्कूलों में प्रश्न पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे, जो परीक्षा के दिन ही केंद्राध्यक्ष की निगरानी में प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाएं जाएंगे। पुलिस थाने से 60 मिनट पहले प्रश्नपत्रों का बंडल निकाला जाएगा। विद्यार्थियों को पांच मिनट पहले प्रश्नपत्र वितरित किया जाएगा।

बता दें, कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों की नौवीं व 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं 23 फरवरी से शुरू होंगी, जो 17 मार्च तक चलेंगी। इस बार 23 मार्च तक मूल्यांकन कार्य पूरे होंगे और रिजल्ट भी जल्द घोषित किए जाएंगे। बता दें, कि प्रदेश भी में दोनों कक्षाओं में करीब 20 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे।

आधे घंटे पहले पहुंचना होगा केंद्र

जहां नौवीं की परीक्षा दो मार्च से 17 मार्च तक दोपहर 1.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक होंगी। वहीं 11वीं की परीक्षा 23 फरवरी से 17 मार्च तक दोपहर 1.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक संचालित होंगी। विद्यार्थियों को समय से आधा घंटे पहले परीक्षा कक्ष में पहुंचना होगा।

चार सेट में तैयार किए पेपर बोर्ड

परीक्षा की तरह मंडल की अंक योजना के तहत नौवीं व 11वीं के सभी विषयों के प्रश्नपत्र चार सेट में तैयार किए गए हैं। इसके अंतर्गत चार भाग ए, बी, सी और डी शामिल हैं। सभी विद्यार्थियों को रोटेशन के क्रम में प्रश्न पत्र वितरित किए जाएंगे।

मूल्यांकन कार्य में लगे शिक्षकों की ड्यूटी नहीं लगेगी

नौवीं व 11वीं के परीक्षा कार्य से 10वीं व 12वीं के मूल्यांकन में लगे शिक्षकों को मुक्त रखा जाएगा। नौवीं व 11वीं की परीक्षा के पर्यवेक्षण कार्य में प्राथमिक या माध्यमिक शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रीवा एयरपोर्ट से भोपाल रवाना हुए

रीवा (कीर्तिप्रभा), मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सतना जिले के प्रवास के उपरांत हेलीकाप्टर द्वारा रीवा एयरपोर्ट पहुंचे। तदुपरांत वायुयान द्वारा भोपाल रवाना हो गये। मुख्यमंत्री जी के साथ उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल भी भोपाल रवाना हुये। रीवा एयरपोर्ट में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने धारकुंडी आश्रम के संस्थापक स्वामी परमहंस सच्चिदानंद जी महाराज के देवलोकगमन पर व्यक्त किया शोक

रीवा (कीर्तिप्रभा), उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं सतना स्थित धारकुंडी आश्रम के संस्थापक स्वामी परमहंस सच्चिदानंद जी महाराज के देवलोकगमन पर गहन शोक व्यक्त किया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पूज्य स्वामी जी का संपूर्ण जीवन धर्म, अध्यात्म और मानव सेवा को समर्पित रहा। उनका गोलोकगमन न केवल उनके असंख्य शिष्यों, बल्कि सम्पूर्ण समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने विचारों और आचरण से जनमानस को सदैव सत्य, अहिंसा और आध्यात्मिक मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और उनके अनुयायियों एवं शोकाकुल परिवारजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल एवं शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

कलेक्टर आज करेगी टीएल पत्रों की समीक्षा

रीवा (कीर्तिप्रभा) कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल 9 फरवरी को टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगी। बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 बजे से आरंभ होगी। बैठक में ई-आफिस व्यवस्था तथा समय सीमा के पत्रों की भी समीक्षा की जायेगी। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

जनगणना समन्वय समिति की बैठक आज

रीवा (कीर्तिप्रभा) कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक 9 फरवरी को आयोजित की जायेगी। बैठक कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में टीएल बैठक के बाद आरंभ होगी। बैठक में समिति के सभी सदस्यों को उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं।

जिला टास्कफोर्स समिति की बैठक आज

रीवा (कीर्तिप्रभा) जिले के हनुमना विकासखण्ड में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत सामूहिक दवा सेवन अभियान के क्रियान्वयन हेतु जिला टास्कफोर्स समिति की बैठक कलेक्टर संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में 9 फरवरी को दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपस्थिति के निर्देश दिए गए हैं।

न्यूनतम मूल्य पर गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन केन्द्र निर्धारित

रीवा (कीर्तिप्रभा), रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन 7 मार्च तक किया जा रहा है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जिले में पंजीयन के लिए 25 पंजीयन केन्द्र निर्धारित किये हैं। जिला उपार्जन समिति की अनुशंसा पर केन्द्रों का निर्धारण किया गया है। सेवा सहकारी समिति पत्री, विपणन सहकारी समिति मऊगंज, सेवा सहकारी समिति पाड़र, पहाड़ी नृपतसिंह, पटपरा, लौर, खैरा, भीर, कोट, बन्नई, बहुती, नईगढ़ी, खर्रा, चिल्ल्ह, हनुमना, कैलाशपुर, मुनिहाई, बन्ना, हर्दी, गौरी, टटिहरा, देवरा पटेहरा, खटखरी, पांती, पहाड़ी को पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। कलेक्टर ने पंजीयन केन्द्रों में पंजीयन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने राजस्व, खाद्य, कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को समय-समय पर पंजीयन केन्द्र का निरीक्षण करने के निर्देश दिये हैं।

समिति की बैठक 9 फरवरी को

रीवा (कीर्तिप्रभा) कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक 9 फरवरी को आयोजित की जायेगी। बैठक कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में टीएल बैठक के बाद आरंभ होगी। बैठक में समिति के सभी सदस्यों को उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं।

बैठक 10 फरवरी को

रीवा (कीर्तिप्रभा) जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 10 फरवरी को शाम 4 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में महाशिवरात्रि, होली, ईदुलफित्तर, रामनवमी एवं महावीर जयंती त्यौहारों के शांतिपूर्ण आयोजन एवं व्यवस्थाओं के संबंध में विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में समिति के सदस्यों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

छात्रवृति के लंबित आवेदनों को तत्काल वेरीफाई करें - कलेक्टर

रीवा (कीर्तिप्रभा) . कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने महाविद्यालयों में छात्रवृत्ति के लंबित आवेदनों को तत्काल वेरीफाई करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने ठीन अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय तथा मेडिकल कालेज, प्रायवेट इंजीनियरिंग कालेज, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन कालेज, आयुर्वेद महाविद्यालय, आईटीआई तथा अन्य महाविद्यालयों को छात्रवृत्ति के लंबित आवेदनों को अविलंब वेरीफाई करने के निर्देश दिए हैं।

नगर पालिक निगम रीवा की समीक्षा बैठक सम्पन्न

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट रीवा के मोहन सभागार में नगर पालिक निगम रीवा की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, अपर आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री दिव्यांक सिंह, नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे सहित एमपीयूडीसी निगम की निर्माण, राजस्व, वित्त एवं स्वास्थ्य शाखा के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 एवं 2.0 अंतर्गत एएचपी, बीएलसी, एआरएच, आईएसएस एवं इन-सीटू स्लम रिहैबिलिटेशन घटकों की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव ने एएचपी पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए तथा एएचपी मद में व्यय राशि के समायोजन हेतु एलआईजी एवं एमआईजी भवनों से प्राप्त राशि के उपयोग की बात कही। बीएलसी योजना के अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा आवश्यकतानुसार अंतिम किश्त का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इन-सीटू स्लम रिहैबिलिटेशन की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने शिवनगर में क्रॉस-कम्पनसेशन आधारित प्रोजेक्ट तथा निराला नगर बस्ती के पुनर्वास कार्य की जानकारी दी, जिस पर एसीएस ने संतोष व्यक्त किया।

रीवा में बढ़ते माइग्रेशन को दृष्टिगत रखते हुए एआरएच (अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग) पर विशेष कार्य करते हुए औद्योगिक क्षेत्रों से समन्वय स्थापित कर श्रमिकों एवं कर्मचारियों हेतु सर्वसुविधायुक्त 300 इकाई की आवास परियोजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए। आईएसएस योजना में अपेक्षित प्रगति न होने पर शासकीय एवं निजी कर्मचारियों को केंद्र में रखकर इसे प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने तथा आवास हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि रीवा का स्वच्छता स्तर निरंतर सुधर रहा है और इस वर्ष निकाय को 7 स्टार एवं वॉटर प्लस श्रेणी प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। नाइट स्वीपिंग एवं मैकेनिकल स्वीपिंग को अनिवार्य रूप से व्यावसायिक क्षेत्रों एवं मुख्य मार्गों पर लागू करने, स्वीपिंग मशीनों की संख्या बढ़ाने तथा जनसहभागिता एवं पब्लिक फीडबैक को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। सोत पर कचरा पृथक्करण की स्थिति सुधारने पर विशेष बल देते हुए कहा कि इसमें निरन्तर सुधार करें । वर्तमान श्रेणी में रीवा को स्वच्छता में अग्रणी बनाने का यह उपयुक्त अवसर है।

अमृत 1 के अंतर्गत सीवेज प्रोजेक्ट की समीक्षा में पाया गया कि हाउस सर्विस कनेक्शन की प्रगति लगभग 25 प्रतिशत है। अपर मुख्य सचिव ने हाउस सर्विस कनेक्शन की संख्या शीघ्र बढ़ाने तथा संविदाकार को भुगतान हाउस कनेक्शन के अनुपात में ही करने के निर्देश दिए। सभी निर्मित एवं निर्माणाधीन एसटीपी को शीघ्र क्रियाशील करने तथा सीवर जल को पूर्ण रूप से ट्रीटेड करने के निर्देश दिए । पूर्व में बाढ़ से क्षतिग्रस्त 12 एमएलडी प्लांट के पुनर्निर्माण हेतु अमृत 2.0 योजना की शेष राशि से स्वीकृति प्रदान की गई। रोड कटिंग के दौरान कोर कटिंग मशीन का अनिवार्यता से उपयोग करने को कहा ।

अपर मुख्य सचिव ने अर्बन चौलेंज फंड अंतर्गत लगभग 1000 करोड़ रुपये की समग्र योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में जिस तरीके से लगातार अधोसंरचना विकास हो रहा है औरआवश्यक जरूरतों का आंकलन कर अच्छी कार्ययोजना बनानी चाहिए और अपने उपलब्ध हो सकने वाले फण्ड से यूसीएफके तहत 1000 करोड के प्लान बनाए। जिसमें हाउसिंग प्रोजेक्ट, नदी के बैक फ्लो से बाढ़ की समस्या पर प्रॉजेक्ट, मल्टीलेवल पार्किंग, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज एवं पुरानी पाइपलाइन परिवर्तन जैसे कार्य शामिल करे । साथ ही इसमें ब्लू और ग्रीन अधोसंरचना विकास विशेष तौर पर जोड़े । डिजास्टर मैनेजमेंट के तहत एस डी आर एफसे फंड हेतु प्रोजेक्ट बनाए जाने के निर्देश दिए।

वॉटर सप्लाई की समीक्षा में सभी सिस्टम को स्काडा से कनेक्ट करने तथा उसकी जानकारी राज्य स्तर पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। जल शोधन यंत्र से ट्रीटेड जल की ही आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं नियमित क्लोरीनेशन कराने पर बल दिया गया।

पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में मरम्मत कार्य अनुबंधित कंपनी के कुशल कर्मचारियों से ही कराए जाने तथा व्यय संबंधित एजेंसी से वसूलने के निर्देश दिए गए। पाइपलाइन क्षति पर 10 गुना दंडात्मक कार्रवाई हेतु शासन स्तर से एसओपी जारी करने की बात कही गई। टाउन प्लानिंग एवं शहरी विकास पर अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि टाउन प्लानिंग स्कीम (टीपीएस) को मुख्य रूप से शहर के बाहरी क्षेत्रों में लागू किया जाए, ताकि अनियोजित विकास को रोका जा सके। उन्होंने निर्देशित किया रीवा में टाउन प्लानर विशेष समय देकर कच्चे एवं अविकसित क्षेत्रों को सुव्यवस्थित शहरी ढांचे में विकसित करने हेतु कार्ययोजना तैयार करेंगे ।

रजिस्ट्री के लिए अब अनिवार्य होगा पंजीयन नंबर

- रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता लाने और उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी से बचाने की कवायद

प्रदेश में रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता लाने और उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी से बचाने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। अब प्रदेश में किसी भी बिल्डर या डेवलपर को फ्लैट या मकान बेचने से पहले सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट करना होगा कि उसके प्रोजेक्ट का भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) में पंजीयन है या नहीं। नई व्यवस्था के तहत अब विक्रय अनुबंध में रेरा पंजीयन नंबर दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है।

उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए इस नियम को कड़ाई से लागू किया जा रहा है। यदि किसी संपत्ति के विक्रय अनुबंध में रेरा पंजीयन नंबर का उल्लेख नहीं होगा, तो उप रजिस्ट्रार उस संपत्ति की रजिस्ट्री करने से मना कर सकेगा। इस कदम से उन बिल्डरों पर रोक लगेगी जो अब तक उपभोक्ताओं को धोखे में रखकर बिना पंजीयन के ही मकान या फ्लैट बेच देते थे।

धोखाधड़ी और अवैध कॉलोनियों पर लगाम

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों में कई बिल्डर रेरा नियमों की अनदेखी कर मनमाने ढंग से कॉलोनियां विकसित कर रहे हैं। बिना पंजीयन के बेचे गए इन मकानों के कारण बाद में उपभोक्ताओं को मूलभूत सुविधाओं और मालिकाना हक के लिए कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हालांकि, नियमों के उल्लंघन पर रेरा द्वारा भारी जुर्माने का प्रावधान है, लेकिन इसके बावजूद कई बड़े प्रोजेक्ट बिना पंजीयन के ही पूरे कर लिए जाते हैं। अब रजिस्ट्री के स्तर पर ही रेरा नंबर की अनिवार्यता से इस खेल पर लगाम लगेगी।

पंजीयन के आंकड़ों में बड़ा अंतर

रेरा के पास आए आवेदनों के आंकड़े बताते हैं कि बिल्डर अब भी नियमों के पालन में कोताही बरत रहे हैं। वर्ष 2021-22 से अब तक पिछले पांच वर्षों में रेरा के पास कुल 6,323 आवेदन पहुंचे, जिनमें से केवल 3,398 (लगभग आधे) ही स्वीकृत हुए। करीब 981 आवेदनों को निरस्त किया गया है। हर साल 50 से 82 प्रतिशत तक आवेदनों का निराकरण तो हो रहा है, लेकिन स्वीकृत पंजीयन की कम संख्या स्पष्ट करती है कि कई प्रमोटर अब भी बिना वैध अनुमति के निर्माण कार्य कर रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं के बीच विश्वास का संकट बना हुआ है।

अन्य शहरों में शाखाएं खोलने की मांग

प्रदेश के रियल एस्टेट कारोबार के विस्तार को देखते हुए वर्तमान में रेरा की पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। यही कारण है कि लंबे समय से भोपाल के अलावा इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में भी रेरा की शाखाएं खोलने की मांग की जा रही है। उम्मीद है कि नई व्यवस्था और शाखाओं के विस्तार से उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी और रियल एस्टेट बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी। रेरा के विशेष सचिव राजेश बहुगुणा का कहना है कि बिल्डर अगर बिना रेरा पंजीयन के मकान, फ्लैट विक्रय करता है तो जुर्माने के साथ सजा का भी प्रविधान है। रेरा एक्ट उपभोक्ता के अधिकार सुरक्षित करने के लिए ही बना है। उपभोक्ताओं को भी इसके प्रति जागरूक होना होगा ताकि वे बिना रेरा पंजीयन के संपत्ति न खरीदें।

निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी

रीवा । नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने आज रीवा प्रवास के दौरान नगर निगम क्षेत्र में संचालित प्रमुख परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री दिव्यांक सिंह, नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अपर मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत कृष्णा नगर आवासीय परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कारणों की जानकारी ली तथा यह प्रश्न किया कि परियोजना को एज इस व्हेयर बेसिस पर क्यों नहीं किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व निविदाकार की राशि फॉरफेट कर दी गई है तथा शेष कार्य के लिए नई निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर एलओए जारी कर दिया गया है।

अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि परियोजना को चरणबद्ध तरीके से ब्लॉकवार पूर्ण किया जाए तथा कार्य में गति लाकर शीघ्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। इसके पश्चात उन्होंने निर्माणाधीन कुठुलिया जल शोधन यंत्र का निरीक्षण किया। निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए मार्च माह तक प्लांट को पूर्ण रूप से ऑपरेशनल करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्लांट परिसर को ग्रीन स्पेस के साथ विकसित करते हुए भविष्य में शैक्षणिक भ्रमण एवं पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर कार्य करने को कहा। इंटेक प्वाइंट पर एलगी ट्रीटमेंट पर विशेष ध्यान देने तथा शोधन प्रक्रिया की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खनिज अधिकारी के नेतृत्व में अवैध रेत भंडारण पर छापा

गोपद नदी से रातों-रात होती थी रेत की तस्करी

सीधी। जिले में अवैध रेत उत्खनन और भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए शनिवार को बड़ी कार्रवाई की है। तहसील कुसमी अंतर्गत ग्राम शंकरपुर में खनिज विभाग की टीम ने अवैध रेत भंडारण का खुलासा करते हुए भारी मात्रा में रेत जब्त की है। यह कार्रवाई जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के कुशल मार्गदर्शन में, प्रभारी खनि निरीक्षक देवेन्द्र महोबे के नेतृत्व में गठित दल द्वारा की गई। प्राप्त शिकायत के अनुसार खनिज विभाग की टीम ने ग्राम शंकरपुर के खसरा क्रमांक 61/2, 65 एवं 15

का निरीक्षण किया। जांच के दौरान इन स्थलों पर अवैध रूप से रेत का बड़े पैमाने पर भंडारण पाया गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गोपद नदी के शंकरपुर घाट से ट्रैक्टर-ट्रॉली के जरिए दिन में अवैध उत्खनन किया जाता था, जबकि रात के अंधेरे में जेसीबी मशीन की मदद से रेत को हाईवा वाहनों में लोड कर बाहर भेजा जाता था। जांच में यह अवैध गतिविधि ओमप्रकाश जायसवाल उर्फ कटरवार, रितिक सिंह गहरवार निवासी भड़ौरा, शुभम गुप्ता एवं अजीत गुप्ता निवासी निधिपुरी के साथ ही खसरा क्रमांक 15 के भूमिस्वामी श्रीकांत शुक्ला निवासी शंकरपुर द्वारा किए जाने की पुष्टि हुई है। खनिज विभाग ने मौके से अवैध रेत जप्त कर ग्राम रक्षा समिति शंकरपुर के अध्यक्ष भूषण शुक्ला को सुरक्षा की दृष्टि से सुपुर्द किया। इस मामले में सभी संबंधित आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन नियम, 2022 के तहत विधिवत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि हाल ही में हुई टास्क फोर्स की बैठक के बाद खनिज अमला पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। बहरी, शंकरपुर एवं भदौरा क्षेत्रों में अवैध खनन माफियाओं के खिलाफ लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने दो टूक कहा है कि अवैध खनन, भंडारण और तस्करी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आगे भी ऐसी कार्रवाइयां निरंतर जारी रहेंगी।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।